WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 देश विदेश | 4 अभिव्यक्ति | 6 छत्तीसगढ़ | 7 कारोबार

RNI NO.MPHIN/2017/72749 | भोपाल, शनिवार 4 जनवरी 2025 / | शुक्ल पक्ष पंचमी, विक्रम संवत-2081/ | वर्ष-8 अंक-215 पृष्ठ-08 मूल्य-4 रुपए | भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

राजनीतिक दलों के बीच एक अजीब प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। कोई भी कभी भी किसी भी राजनीतिक पार्टी को किसी दूसरी पार्टी की बी टीम करार दे देता है। अब राजद नेता तेजस्वी यादव ने चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की नवनगठित पार्टी को भाजपा की बी टीम बता दिया है। इसके पहले कांग्रेस नेताओं ने आम आदमी पार्टी को भाजपा की बी टीम और आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को भाजपा की बी टीम बताया था। ऐसे में समझ में नहीं आता कि कौन किसकी बी टीम है? बेहतर होगा बी टीम की परिभाषा तय की जाये।

जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान में अब जुड़ गया है जय अनुसंधान : सीएम यादव

राज्य सरकार विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने किया राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ

डोंगला में स्थापित वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला के ऑटोमेशन का वर्चुअल किया शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय विज्ञान और परंपरा के गहरे संबंध हैं। भारत ने हमेशा अपने नेतृत्व से विज्ञान और नवाचार को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच ने भारतीय विज्ञान और अनुसंधान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान, जय किसान का आह्वान कर भारत को एक नई ऊर्जा दी। इस नारे ने न केवल भारत की

रक्षा और कृषि को मजबूत किया, बल्कि राष्ट्र को आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित भी किया। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने इस कड़ी में जय विज्ञान को जोड़ा, जो भारत की वैज्ञानिक सोच और उपलब्धियों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस श्रृंखला में जय अनुसंधान जोड़ते हुए विज्ञान और नवाचार को एक नई दिशा दी है। कोविड-19 महामारी के दौरान मात्र एक वर्ष में स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण करना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। यह उपलब्धि भारत के वैज्ञानिक सामर्थ्य और नेतृत्व की कुशलता को प्रदर्शित करती है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के समय में हुए परमाणु परीक्षण (पोखरण) और प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हुई वैज्ञानिक प्रगति, दोनों ही यह दिखाते हैं कि भारत ने हर चुनौती को अवसर में बदलकर दुनिया के सामने अपनी योग्यता और क्षमता को सिद्ध किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवींद्र भवन में 31वीं राष्ट्रीय **शेष पृष्ठ 5 पर**

नक्सल मुठभेड़, तीन ढेर

गरियाबंद/नवप्रदेश। सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के नक्सल प्रभावित सोरनामाल जंगल में तीन नक्सलियों का एनकाउंटर किया है। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर लिया था। इस नक्सल ऑपरेशन में छत्तीसगढ़-ओडिशा के करीकब 300 जवान मौके पर मौजूद रहे। मौके से शव और आटोमेटिक हथियार बरामद किये गये हैं।

प्रदेश अध्यक्ष नियुक्ति की जिम्मेदारी तावड़े को

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूरे देश में चुनाव प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। इस प्रक्रिया के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष और जिला अध्यक्षों के साथ-साथ मंडल अध्यक्षों की भी नियुक्ति की जाएगी। छत्तीसगढ़ में जहां मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है, वहीं जिला अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति अभी बाकी है। बीजेपी ने प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की है। छत्तीसगढ़ के लिए जिम्मेदारी का निर्वहन महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े को सौंपा गया है। वहीं उत्तर प्रदेश के चुनाव अधिकारी के रूप में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही गुजरात के लिए भाजपा नेता भूपेंद्र यादव को यह जिम्मेदारी दी गई है।

मनमोहन की याद में अखंड पाठ

नयी दिल्ली (वार्ता)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की स्मृति में उनके आवास पर अखंड पाठ रखा गया जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी सहित कई प्रमुख लोगों ने हिस्सा लिया और डॉ सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ सिंह के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्री खरगे और गांधी के अलावा पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए। कांग्रेस पार्टी ने डॉ सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी यादें हमेशा सबके दिल में रहेंगी और उनकी सादगी, सरलता और आदर्श सदैव प्रेरित करते रहेंगे। गौरतलब है कि डॉ सिंह का पिछले माह 26 दिसंबर को निधन हो गया था और 28 दिसंबर को उनका निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

गुरमीत राम रहीम को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली (ए.)। बहुचर्चित रणजीत सिंह हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट के फैसले के बाद बरी किए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस दिया है। मई 2024 में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने हत्याकांड में राम रहीम को बरी कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले को हत्याकांड की जांच कर रही सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह और चार अन्य को नोटिस जारी किया है।

कार और बाइक की भिडंत, तीन की मौत

शहडोल (वार्ता)। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के उफरी गांव में एक कार और मोटर साइकिल की आमने सामने की भिडंत में तीनों लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार गुरुवार की रात्रि हुई इस दुर्घटना में रामकरण (55) की मौके पर मौत हो गई, जबकि ईश्वरदीन (62) की मौत अस्पताल ले जाते समय हो गई। रामकरण और ईश्वरदीन सगे भाई थे। संतोष सिंह (58) को गंभीर घायल होने पर अस्पताल में भर्ती किया गया, जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गरमा-गरम

स्वाभिमान, आत्मसम्मान, नई आशाओं और नए सपनों का घर

आप सरकार दिल्लीवासियों के लिए 'आप-दा' : मोदी

■ **प्रधानमंत्री ने आश्वस्त किया भले ही आज न मिले, लेकिन कल जरूर मिलेगा**

नयी दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार को राष्ट्रीय राजधानी वासियों के लिए बड़ी 'आप-दा' करार देते हुए कहा कि अन्ना हजारे को आगे करके कट्टर बेईमानों ने खुलेआम घोटाले एवं भ्रष्टाचार कि और उसका जश्न भी मनाया। मोदी ने शुक्रवार को यहां दिल्ली विधानसभा चुनावों के पहले उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार स्थित रामलीला मैदान में झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले गरीबों के लिए 'स्वाभिमान अपार्टमेंट' के लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए यह तंज कसा। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों को आश्वस्त किया कि उन्हें हर हाल में पक्का घर मिलेगा। भले ही आज न मिले लेकिन कल जरूर मिलेगा।

मोदी ने अपने भाषण में कहा कि साल 2025 भारत के विकास के लिए अनेक नई संभावनाएं लेकर आ रहा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की ओर हमारी यात्रा इस वर्ष और तेज होने वाली है। आज भारत, दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बना है, 2025 में भारत की ये भूमिका और सशक्त होगी।

उन्होंने कहा कि यह वर्ष विश्व में भारत में अंतरराष्ट्रीय छवि को और सशक्त करने, भारत को दुनिया का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने, युवाओं को नए स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप में आगे बढ़ाने, कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमानों का होगा। उन्होंने कहा कि यह वर्ष महिला नीत विकास के हमारे मंत्र को नई ऊंचाई देने तथा जीवन की सुगमता और गुणवत्ता बढ़ाने का होगा।

'स्वाभिमान अपार्टमेंट्स' गरीबों के स्वाभिमान और उनकी गरिमा को बढ़ाने वाले

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं विशेष रूप से उन साथियों को, उन माताओं, बहनों को बधाई देता हूं, जिनकी एक तरह से नई जिंदगी शुरू हो रही है। झुग्गी की जगह पक्का घर, अपना घर..ये नई शुरुआत ही तो है। जिनको ये घर मिले हैं, ये उनके स्वाभिमान का घर है, ये आत्मसम्मान का घर है, ये नई आशाओं और नए सपनों का घर है। मैं आप सभी की खुशियों में आपके उत्सव का हिस्सा बनने यहां आया हूं। 'स्वाभिमान अपार्टमेंट्स' गरीबों के स्वाभिमान और उनकी गरिमा को बढ़ाने वाले हैं। इन घरों के मालिक भले ही दिल्ली के अलग-अलग जगहों के लोग हों, लेकिन ये सब के सब मेरे परिवार के ही सदस्य हैं।

मोदी ने कहा कि आज पूरा देश विकसित भारत के निर्माण में जुटा है। 'विकसित भारत' में देश के हर नागरिक के पास पक्के घर हों, ये संकल्प लेकर हम काम कर रहे हैं। इस संकल्प में? दिल्ली की बहुत बड़ी भूमिका है, इसलिए भाजपा की केंद्र सरकार ने झुग्गियों की जगह पक्का घर बनाने का अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा, देश भलीभांति जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया, लेकिन बीते 10 वर्षों में चार करोड़ से अधिक लोगों का सपना पूरा किया है। मैं भी कोई शीश महल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए तो मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले, यही सपना था। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं, जब भी आप बातचीत करते हैं और झुग्गी निवासियों के साथ मिलते हैं, उन्हें मेरी ओर से यह सुनिश्चित करें कि वे निश्चित रूप से पक्का घर प्राप्त करेंगे, यदि आज नहीं, तो कल।

आप ने सिर्फ 10 वर्षों में घोटाले ही किए

मोदी ने दिल्ली की 'आप' सरकार पर हमला करते हुए कहा, बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी 'आप-दा' से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को 'आप-दा' में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला, ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग 'आप-दा' बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। ये लोग खुले तौर पर भ्रष्टाचार में संलग्न हैं और यहां तक कि इसका जश्न मनाते हैं। ये और कुछ नहीं चोरी और ऊपर से सीनाजोरी है। उन्होंने कहा, दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली 'आयुष्मान भारत' योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करेगा राजिम कुंभ कल्प : सीएम साय

■ **राजिम कुंभ कल्प 2025-अध्यात्म और संस्कृति का भव्य आयोजन**

■ **12 से 26 फरवरी तक आयोजित होगा राजिम कुंभ कल्प**

अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने राजिम कुंभ से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के प्रयाग के रूप में प्रसिद्ध राजिम में 12 फरवरी से 26 फरवरी 2025 तक कुंभ कल्प का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष यह अद्भुत धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन 52 एकड़ के नए प्रस्तावित मेला स्थल में संपन्न होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन स्थित बैठक कक्ष में शुक्रवार को राजिम कुंभ कल्प के तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने शाही स्नान, गंगा आरती, संत समागम समेत ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुख्यमंत्री साय को अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने राजिम कुंभ कल्प 2025 के आयोजन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से आयोजन स्थल में विभिन्न गतिविधियों के लिए निर्धारित स्थानों के बारे में बताया। कुंभ कल्प में नागरिक सुविधाओं, साधु संतों के आवागमन, शाही स्नान और गंगा आरती को लेकर विभाग के तैयारियों के बारे में जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजिम कुंभ कल्प का शुभारंभ होगा और 26 फरवरी महाशिवरात्रि को इसका समापन होगा।

चंदन गुप्ता हत्याकांड, 28 को आजीवन कारावास

■ **50 हजार जुर्माना, कोर्ट ने सुनाया फैसला**

लखनऊ (ए.)। 26 जनवरी 2018 को कासगंज में निकाली गई तिरंगा यात्रा में चंदन गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में कोर्ट ने 28 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कासगंज में चंदन गुप्ता हत्याकांड में दोषी ठहराए गए 28 आरोपियों को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई हैं और 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। बता दें कि एक दिन पहले बृहस्पतिवार को ही एनआईए की विशेष अदालत ने 28 आरोपियों को दोषी करार दिया था। जबकि दो को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। कासगंज में 26 जनवरी 2018 को तिरंगा यात्रा के दौरान भड़के दंगे में चंदन गुप्ता की हत्या कर दी गई थी। एनआईए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने सरकार बनाम सलीम व अन्य के मामले में गुरुवार को यह फैसला सुनाया।

अदालत ने दोष सिद्ध हो चुके आरोपी बरकतुल्लाह के खिलाफ गैर जमानतीय अधिपत्र (एनबीडब्ल्यू) जारी करने का भी आदेश दिया। सभी आरोपियों को आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 341, 336, 307, 504, 506 और वसीम, नसीम, मोहसिन, राहत, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुख्यमंत्री ने किया नव प्रदेश के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

रायपुर/नवप्रदेश। शुक्रवार 3 जनवरी 2025 को राज्य के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दैनिक नवप्रदेश समाचार पत्र समूह के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर पत्र समूह के प्रधान संपादक यशवंत धोटे, रायपुर उत्तर विधानसभा के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित थे।

पीथमपुर में पुलिस पर पथराव, जवाब में चली लाठियां

यूनियन कार्बाइड के कचरे का विरोध, महिला को घसीटा; दो युवकों ने की आत्मदाह की कोशिश

पीथमपुर/नवप्रदेश। पीथमपुर में भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के जहरीले कचरे को नष्ट करने का विरोध हो रहा है। शुक्रवार सुबह से हो रहा प्रदर्शन शाम को और तेज हो गया। पावर हाउस चौराहे पर भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इस दौरान पुलिसकर्मी एक महिला को घसीटते नजर आए।

इससे पहले शाम को ही छत्र छाया चौराहे पर भी पुलिस ने लोगों पर लाठियां चलाई। वहीं दोपहर में पीथमपुर के ही गुडलक चौराहे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों पर भी पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल कर उन्हें खदेड़ा। दरअसल, प्रदर्शनकारियों ने चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। जिससे हाईवे पर करीब 7 किलोमीटर तक वाहन फंस गए।

पीथमपुर में मुख्य धरना प्रदर्शन महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर किया जा रहा है। जिसमें पीथमपुर बचाओ समिति, पीथमपुर रक्षा मंच, कांग्रेस,

भाजपा, राठौर समाज, क्षत्रिय समाज, सेन समाज, आदिवासी समाज, ऑल ट्रेड यूनियन समेत अन्य संगठन शामिल हैं। आज (शुक्रवार) को पीथमपुर बंद भी कराया गया है।

इसके अलावा सांवरिया मंदिर, अकोलिया चौराहा, बरदरी चौराहा, छत्रछाया गेट, आजाद चौराहा, गुडलक चौराहा, एबी रोड पर मनाल होटल के सामने स्थानीय लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन की वजह से आजाद चौराहा, अकोलिया चौराहा, छत्र छाया चौराहा और गुडलक चौराहे पर लंबा जाम लग गया। इधर, पिछले 36 घंटे से अनशन पर बैठे संदीप रघुवंशी नाम के युवक ने अनशन खत्म कर दिया है।

दो युवकों ने की आत्मदाह की कोशिश, दोनों झुलसे

सुबह प्रदर्शन के दौरान दो लोगों ने खुद पर पेट्रोल डाल लिया, तभी किसी ने पीछे से आग लगा दी, जिससे दोनों लोग झुलस गए। उन्हें इंदौर में चोइथराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों के नाम राजकुमार रघुवंशी और राजू पटले हैं।

सीएम यादव बोले- गलतफहमी के चक्कर में न पड़े

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में ही कचरे का निष्पादन कराया जाएगा। अभी तुरंत कचरा जलाने का निर्णय नहीं लिया गया है। कचरा डंप किया गया है। सीएम ने कहा कि जिनके कार्यकाल में गैस त्रासदी हुई, वही गलतफहमी **शेष पृष्ठ 5 पर**

महाकुंभ 2025: सनातन धर्म के सार की यात्रा, आस्था और विरासत की दिव्य यात्रा

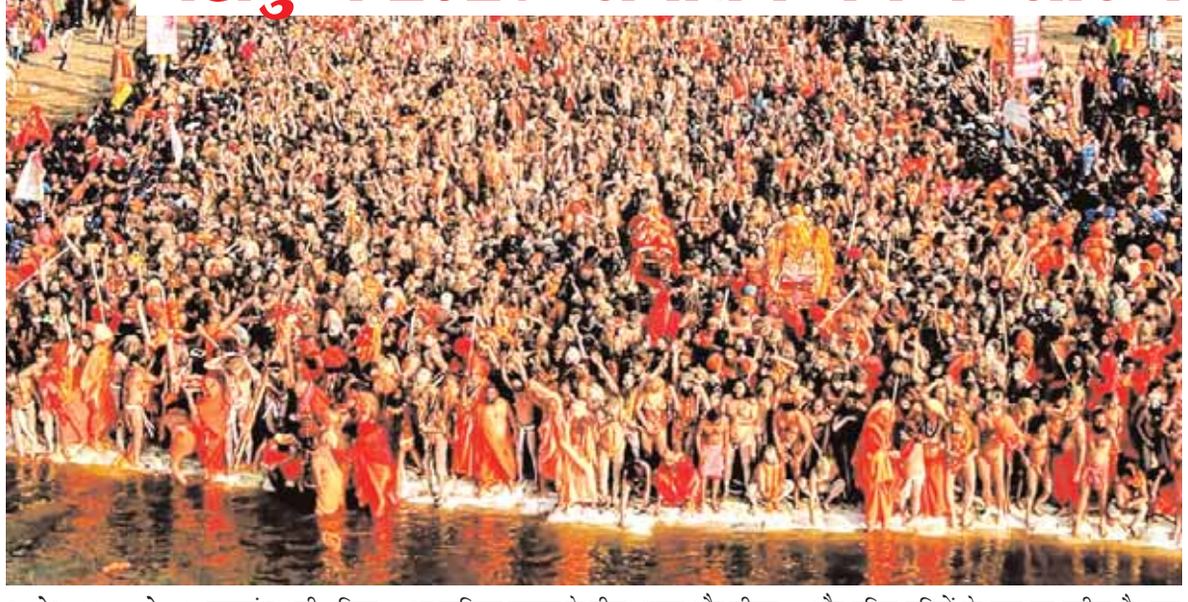

अयोध्या/नवप्रदेश। महाकुंभ की दिव्य छत्रछाया में एकत्रित हुए हम सभी की आस्था और भक्ति का अमृत हमारी आत्माओं को पवित्र करे। महाकुंभ नगर में केंद्रीय अस्पताल आध्यात्मिक उत्साह के बीच, आशा और जीवन शक्ति के एक नए अध्याय की शुरुआत करता है। महाकुंभ उत्सव के प्रारंभ से तुरंत पहले ' गंगा ' नाम की एक बच्ची का जन्म पवित्रता और पवित्र नदियों के सार का प्रतीक है। एक और नवजात शिशु, ' कुंभ ' नाम के एक बच्चे के जन्म के साथ , ये जन्म जीवन के चक्र और महाकुंभ के उत्सव के आशीर्वाद को समाहित किए हुए है। महाकुंभ की आधिकारिक शुरुआत से पहले प्रारंभ हुआ यह अस्पताल उत्तर प्रदेश सरकार की कुशल तैयारियों का एक प्रमाण है।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह अस्पताल सुनिश्चित करता है कि महाकुंभ की पवित्रता मानव कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और परंपरा को प्रगति के साथ संबंध कर प्रदर्शित हो।

काशी के बाबा विश्वनाथ के प्रतिरूप माने जाने वाले बाबा लोकनाथ मंदिर में शाश्वत भक्ति की गूंज सुनाई देती है। इस स्वयंभू शिव लिंग का उल्लेख स्कंद पुराण और महाभारत में मिलता है, जो इसकी प्राचीन जड़ों को रेखांकित करता है। तीर्थयात्रियों का मानना है कि बाबा लोकनाथ का आशीर्वाद लेने से सांसारिक संघर्ष कम हो सकते हैं और भव्य महाकुंभ के दौरान हजारों लोग इस पवित्र स्थल पर दिव्य अनुभव करने के लिए एकत्रित होते हैं। मदन मोहन मालवीय जैसी हस्तियों के साथ जुड़ने से मंदिर की सांस्कृतिक विरासत और समृद्ध हुई है। शिवरात्रि पर इसका प्रतिष्ठित शिव बारात जुलूस और जीवंत होली समारोह प्रयागराज के आध्यात्मिक उत्साह की जीवंत तस्वीर में चार चांद लगा देते हैं। महाकुंभ के आध्यात्मिक शहर का अखाड़ा क्षेत्र भक्ति से सराबोर है, क्योंकि नागा संन्यासी और संत अनुष्ठान करने, ध्यान करने और ज्ञान साझा करने के लिए एकत्रित होते हैं। उनमें से, महंत श्रवण गिरि और महंत तारा गिरि की कहानियाँ एक अनोखे आकर्षण के साथ गूंजती हैं। अपने पालतू जानवरों - क्रमशः लाली और सोमा - के प्रति उनका गहरा प्रेम सनातन धर्म के दयालु सार को उजागर करता है, जहाँ हर जीवित प्राणी को दिव्य माना जाता है। सांसारिक बंधनों को त्यागने वाले ये संत अपने पालतू जानवरों के साथ पारिवारिक बंधन पाते हैं, जो अहिंसा और बिना शर्त प्यार के सिद्धांत को स्वीकारते हैं।

प्रयागराज पौराणिक कथाओं, आध्यात्मिकता और इतिहास का संगम

सनातन धर्म के शिखर के रूप में प्रतिष्ठित महाकुंभ, 2025 में प्रयागराज में अपनी भव्यता को प्रदर्शित करेगा ।"तीर्थराज" या तीर्थराज के रूप में जाना जाने वाला प्रयागराज एक ऐसा शहर है जहाँ पौराणिक कथाओं, आध्यात्मिकता और इतिहास का संगम होता है, जो इसे सनातन संस्कृति का एक कालातीत अवतार बनाता है। यह पवित्र भूमि, जहाँ गंगा , यमुना और रहस्यमयी सरस्वती नदियाँ मिलती हैं , दिव्य आशीर्वाद और मोक्ष चाहने वाले लाखों लोगों के लिए एक आध्यात्मिक आकर्षण के रूप में कार्य करता है । भक्ति, ध्यान और आध्यात्मिकता की 'त्रिवेणी' के रूप में महाकुंभ एक दिव्य यात्रा में बदल जाता है। प्रयागराज के आध्यात्मिक रत्नों में से एक है, लोकनाथ इलाके में स्थित प्रतिष्ठित बाबा लोकनाथ महादेव मंदिर ।

न्यूज गैलरी

गुरमीत राम रहीम को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। बहुचर्चित रणजीत सिंह हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट के फैसले के बाद बरी किए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस दिया है। मई 2024 में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने हत्याकांड में राम रहीम को बरी कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले को हत्याकांड की जांच कर रही सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह और चार अन्य को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की खंडपीठ ने मामले में बरी किए गए आरोपियों से जवाब मांगा है। 28 मई 2024 को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने सीबीआई की सजा को खारिज करते हुए राम रहीम समेत चार आरोपियों को बरी कर दिया था।

हरि बाबू कंभमपति बनें ओडिशा के नए राज्यपाल

भुवनेश्वर। हरि बाबू कंभमपति ने शुक्रवार को राजभवन में एक कार्यक्रम के दौरान ओडिशा के 27वें राज्यपाल के तौर पर शपथ ली। ओडिशा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चक्रधारी शरण सिंह ने उन्हें शपथ दिलाई। कंभमपति ने मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की उपस्थिति में शपथ ग्रहण की। इस दौरान विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक, राज्य मंत्री, विधायक, सांसद और भाजपा के अन्य नेता भी मौजूद थे।

नकारात्मक मानसिक शक्तियों का मुकाबला करने में विभिन्न प्रकार के ध्यान भी उपयोगी

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बढ़ रही जागरूकता

NIMHANS की सेवाओं की सराहना कर बोलीं राष्ट्रपति

बंगलूरू। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (NIMHANS) की एकीकृत चिकित्सा सेवाओं की सराहना की और इसे सभी के लिए एक आदर्श मॉडल बताया। उन्होंने कहा, 'एनआईएमएचएएनएस की एकीकृत चिकित्सा सेवाएं मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में योग और आयुर्वेद का उपयोग करके मनोरोग और तंत्रिका संबंधी समस्याओं का इलाज करने के लिए एक आदर्श हैं।'

3T MRI स्कैनर और छ्र सिस्टम देश को दिया

उन्होंने यहां संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान मनोचिकित्सा विशेषज्ञ ब्लॉक, केंद्रीय प्रयोगशाला परिसर और भीमा छात्रावास का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं- 3ञ्ज एमआरआई स्कैनर और डीएसए सिस्टम भी देश को समर्पित किया।

'मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बढ़ रही जागरूकता'

उन्होंने यह भी कहा कि अतीत में कुछ समाजों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और चिंताओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। मानसिक बीमारियों से जुड़ी अवैज्ञानिक मान्यताएं अतीत की बात हो गई हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मदद लेना आसान हो गया है।

हम जो भी महसूस करते हैं...

उन्होंने आगे कहा कि नकारात्मक मानसिक शक्तियों का मुकाबला करने में विभिन्न प्रकार के ध्यान भी उपयोगी हैं। उन्हें मानसिक स्वास्थ्य देखभाल मॉडल में एकीकृत किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने पारंपरिक तरीकों का उपयोग करने के महत्व को रेखांकित किया जो सभी के लिए फायदेमंद हैं। मुर्मू ने कहा, 'हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि मन वह है जो हम दुनिया में जो कुछ भी महसूस करते हैं, उसकी जड़ है।' उन्होंने रेखांकित किया कि आने वाले वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना और भी महत्वपूर्ण हो जाएगा।

द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'यह स्वागत करने लायक विकास है, विशेष रूप से इस मोड़ पर, क्योंकि दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे महामारी का रूप ले रहे हैं। विशेष रूप से कोविड महामारी ने ऐसी चिंताओं में वृद्धि की है। कामकाजी पेशेवर अधिक तनाव का सामना करते हैं तथा बड़ी संख्या में बुजुर्ग लोग सामाजिक चुनौतियों के कारण अकेलेपन से पीड़ित हैं।'

पांच साल के भीतर दूसरी महामारी का बढ़ रहा खतरा

नई दिल्ली। साल 2019 के अंत में दुनियाभर में शुरू हुई कोरोना महामारी को पांच साल से अधिक का समय बीत गया है। कोरोना के मामले वैश्विक स्तर पर भले ही फिलहाल बहुत कम हो गए हैं पर विशेषज्ञ कहते हैं इसे बिल्कुल नजरअंदाजा नहीं किया जा सकता है। सभी वायरस जिंदा रहने के लिए प्राकृतिक रूप से म्यूटेट होते रहते हैं जिस वजह से भविष्य में कोरोना के नए वैरिएंट्स के जोखिमों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

वैश्विक आंकड़ों से पता चलता है कि कोविड-19 के कारण महामारी की शुरुआत से अब तक 70.47 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं, जबकि 70.10 लाख से अधिक लोगों की संक्रमण से मौत हो चुकी है। हालिया रिपोर्ट्स में स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पांच साल के भीतर दुनियाभर में कोरोना के बाद एक और महामारी का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। इस बार जिस वायरस को लेकर चिंता जताई जा रही है वो है- बर्ड फ्लू (एच5ए1)। हाल के कुछ महीनों में यूएस-यूके सहित कई देशों में न सिर्फ बर्ड फ्लू के मामले तेजी से बढ़े हैं साथ ही इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य जटिलताओं ने स्वास्थ्य क्षेत्र पर दबाव भी बढ़ा दिया है। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या आने वाले दिनों में हमें एक और महामारी का सामना करना पड़ सकता है?

चीन में एचएमपीवी के मामलों को लेकर चर्चा

कई मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर चीन में एक ÷नई महामारी÷ के बढ़ते खतरे को लेकर चर्चा की जाती रही है। कुछ पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि अस्पताल और श्मशान घाट फिर से पैक देखे जा रहे हैं। लोगों को इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और एचएमपीवी जैसे वायरस का शिकार पाया जा रहा है। हालांकि इसको लेकर न तो चीन सरकार न ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएओ) ने कोई अलर्ट जारी किया है या फिर कोई आधिकारिक जानकारी दी है।

मालदीव के विदेश मंत्री से मुलाकात पर बोले जयशंकर, 'भारत हमेशा द्वीप राष्ट्र के साथ खड़ा है'

नई दिल्ली। भारत और मालदीव ने सीमा पार व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आश्वासन दिया कि भारत हमेशा द्वीप राष्ट्र के साथ खड़ा रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में जयशंकर ने मालदीव के अपने समकक्ष अब्दुल्ला खलील से मुलाकात की। बता दें कि मालदीव के विदेश मंत्री गुरुवार को तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे। इस दौरे का लक्ष्य दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, व्यापार और निवेश सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीके तलाशना है। अपने समकक्ष का स्वागत करते हुए जयशंकर ने कहा, "मैं आपकी पहली आधिकारिक यात्रा पर आपका और आपके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता हूं। मैं नए साल की भी बधाई देता हूं और मैं यह कहना चाहूंगा कि आप मेरे पहले विजिटर हैं। इसलिए आपका दोगुना स्वागत है।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे पास बात करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण विषय हैं। इसके अलावा और भी बहुत कुछ है, जो हमें करने की आवश्यकता है। मैं देख रहा हूं कि सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए गए हैं।"

जयशंकर ने कहा, " मैंने देखा कि सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हमने कई क्षेत्रों में अपनी सहभागिता बढ़ाई है और मैं यह कहना चाहूंगा कि भारत हमेशा मालदीव के लिए खड़ा है।÷ बता दें कि हिंद महासागर क्षेत्र में मालदीव भारत का प्रमुख पड़ोसी देशों में से एक है। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में मालदीव की पिछली सरकार के साथ काफी ज्यादा प्रगति देखी गई थी। नवंबर 2023 में मालदीव में मोहम्मद मुइज्जू की सरकार आने के बाद से भारत और मालदीव के संबंधों में दरार आ गई थी। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के कुछ ही देर बाद मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की थी। भारतीय सैनिकों के जाने के बाद वहां सिविल अधिकारियों ने उनका स्थान ले लिया। हालांकि, अक्तूबर में अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान मुइज्जू ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने की कसम भी खाई थी। बैठक में दोनों देशों ने इस बात पर भी सहमति जताई कि भारत उथुरु थिला फाल्हू में मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बलकी 'एकथा' बंदरगाह परियोजना को समय पर पूरा करने का समर्थन करेगा।

राजस्थान में भीषण हादसे में 5 की मौत, 8 की हालत नाजुक

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं नौ लोग घायल हैं। हादसा गोगुंदा-पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे पर शुक्रवार दोपहर साढ़े 12 बजे हुआ। ब्रेक फेल होने के बाद एक ट्रेलर ने टेंपो को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो में सवार 4 महिलाओं और एक 13 साल के बच्चे की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक टेंपो चालक सालेरिया गांव से सवारियां लेकर आ रहा था।

लखनऊ हत्याकांड: उधारी के पैसों से जनाजे का 'सफर'...

ड्ड संभल में चंदा जुटाकर दफनाए गए अरशद की मां और चारों बहनों के शव

संभल। लखनऊ हत्याकांड में मौत की नींद सोने वाली अस्मा और उनकी चार बेटियों का दफीना संभल स्थित मायके में शुक्रवार को हुआ। दफीना हुआ ये बड़ी बात नहीं है, लेकिन किन परिस्थितियों में हुआ, यह किसी दास्तां से कम नहीं। गरीबी रेखा में जीवन जीने वाले मायके पक्ष के लोगों ने पहले उधार के पैसों से लखनऊ में हुए घटनास्थल तक का सफर तय किया और फिर वहां से शवों को घर लाकर दफीने के लिए चंदा जुटाया। जिसे भी इसके बारे में पता चला, वो उनकी किस्मत को कोसते नजर आया। दरअसल, संभल के सरायतरीन में रिक्शा चलाने वाले फक्करे आलम का परिवार रहता है। फक्करे आलम चार साल पहले गुजर चुके हैं। अब उनके दो पुत्र और चार बेटियां हैं। इनमें सबसे बड़ी बेटी अस्मा का निकाह 2000 में बदायूं में चौधरी सराय के बदर अली के साथ किया था। बदायूं में बदर अली का अपने परिवार के लोगों से विवाद हुआ और दूरियां बन गईं। इसके बाद बदर अली अपनी पत्नी अस्मा, बेटे अरशद और चार बेटियों अल्शिया, रहमीन, अक्सा और आलिया को ले जाकर आगरा के इस्लाम नगर में में रहने लगे। बदर खां की न सिर्फ अपने परिवार के लोगों से बिगड़ी, बल्कि वह ससुराल पक्ष के लोगों से भी विवाद रखता था। यही वजह थी कि वर्ष 2018 के बाद अस्मा कभी अपने मायके में नहीं आई। जहां तक की चार साल पहले हुई पिता की मौत में शामिल नहीं हुई। क्योंकि जब-जब वह मायके आने के लिए कहती, तभी पति बदर अली विवाद करता था, इसलिए मायके वालों का भी वास्ता न के बराबर रहा। समय गुजरता गया और जिंदगी का पहिया का भी चलता गया। इसी बीच बदर अली के परिवार को नजर लगी और पल में सबकुछ खत्म हो गया। खत्म करने वाले कोई और नहीं, बल्कि बदर खां और उसका बेटा ही निकला।

डीएमके सांसद कथिर आनंद के पांच ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। मनी लॉड्रिंग मामले में ईडी ने शुक्रवार को डीएमके नेता और सांसद कथिर आनंद के पांच ठिकानों पर छापेमारी की। कथिर आनंद डीएमके के वरिष्ठ नेता और तमिलनाडु मंत्रिमंडल में दूसरे नंबर के नेता एस दुरईमुरुगन के बेटे हैं और वेल्लोर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। छापेमारी को लेकर डीएमके ने कहा कि यह कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध में की जा रही है। ईडी ने सांसद कथिर आनंद के पिता डीएमके महासचिव और तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन के आवास पर भी छापेमारी की। छापेमारी आरबीआई के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन और 500 और 1000 रुपये के नोटों को 200 रुपये के नोटों से बदलने में बैंक अधिकारियों की ओर से की गई धोखाधड़ी को लेकर की गई है। 2019 में सांसद कथिर आनंद और उनसे जुड़े ठिकानों से 11 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त किए जाने के बाद वेल्लोर में लोकसभा चुनाव रद्द कर दिए गए थे। अगस्त 2019 में दोबारा चुनाव हुए तो कथिर आनंद ने डीमएके के टिकट पर 8141 मतों के मामूली अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने एआईएडीएमके के एसी षणमुगम को हराया। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में फिर से उन्हें हराया। ईडी ने जुलाई 2023 में तमिलनाडु सरकार में वन मंत्री के पोनमुडी और उनके बेटे डॉ. पी गौतम सिगामणि के परिसरों पर छापेमारी की थी। इसके बाद उनकी 14 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई थी। पोनमुडी पर आरोप है कि वे 2007-2010 तक तमिलनाडु सरकार में खान मंत्री थे। इस दौरान उन्होंने अपने बेटे डॉ. पी गौतम सिगामणि, सिगामणि के बहनोई केएस राजमहेंद्रन और जयचंद्रन के नाम पर खनन के पांच लाइसेंस जारी किए।

सैन्य सहयोग...

नौसैनिक वायु प्रशिक्षण का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता विकसित करना

भारत आ रहा फ्रांस का विमानवाहक पोत 'चार्ल्स डी गॉल', गोवा-कोच्चि के बंदरगाहों पर होगा ठहराव

नई दिल्ली । फ्रांस का परमाणु ऊर्जा से चलने वाला विमान वाहक पोत चार्ल्स डी गॉल और इसका पूरा कैरियर स्ट्राइक (सीएसजी) भारत आ रहा है। यह समूह मिशन क्लेमेंस्यू 25 के तहत शनिवार को गोवा और कोच्चि के बंदरगाह पर पहुंचेगा। इसे भारत-फ्रांस के बीच मजबूत होती रक्षा साझेदारी और रणनीतिक संबंधों का शक्तिशाली प्रदर्शन माना जा रहा है। मौजूदा समय में चार्ल्स डी गॉल के साथ सीएसजी हिंद महासागर में है। जहां यह भारत समेत क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण कर रहा है। इसके बाद यह ला पेरोस अभ्यास के लिए इंडोनेशियाई क्षेत्र और फिर प्रशांत महासागर में पैसिफिक स्टेलर अभ्यास के लिए जाएगा।

भारत में फ्रांस के दूतावास ने कहा कि मिशन क्लेमेंस्यू 25 के तहत चार्ल्स डी गॉल सीएसजी और भारतीय नौसेना के जहाज 42वें वार्षिक वरुण द्विपक्षीय अभ्यास में भाग लेंगे। यह चार जनवरी को गोवा और कोच्चि में रुकेगा। इस नौसैनिक वायु प्रशिक्षण का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता विकसित करना और वायु, सतह और पनडुब्बी के क्षेत्रों में बहु-परिवेशीय खतरे से निपटने के लिए चालक दल तैयार करना है। फ्रांस का परमाणु ऊर्जा से संचालित विमान वाहक पोत चार्ल्स डी गॉल और इसका पूरा कैरियर स्ट्राइक (सीएसजी) ग्रुप एक विशाल नौसैनिक बेड़ा है। इस विमानवाहक पोत में बड़ी संख्या में विध्वंसक, फ्रिगेट और अन्य जहाज होते हैं। दूतावस ने यह भी कि 2008 से फ्रांस हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी का सदस्य रहा है। इसकी शुरुआत भारत ने की थी और यह हिंद महासागर के देशों की 25 नौसेनाओं को एक साथ लाता है। इस मंच का उद्देश्य समुद्री मुद्दों की एक श्रृंखला से निपटने में सामूहिक प्रभावशीलता को बढ़ाना है।

फ्रांस का प्रमुख साझेदार रहा है भारत

फ्रांसीसी दूतावास ने कहा कि भारत 1998 से फ्रांस का सबसे प्रमुख रणनीतिक साझेदार रहा है और उत्कृष्ट भारत-फ्रांस सैन्य सहयोग की विशेषता कई द्विपक्षीय अभ्यास जैसे कि जमीन पर शक्ति, समुद्र में वरुण और हवा में गरुड़ हैं। भारत ने फ्रांसीसी नौसेना के जहाजों द्वारा किए गए कई परिचालन स्टॉपओवर की मेजबानी भी की है। यह 2022 से 16 बंदरगाह कॉल हैं। हिंद महासागर से जुड़े राष्ट्रों के रूप में फ्रांस और भारत नियमित रूप से समुद्री सुरक्षा में योगदान देने के लिए सहयोग करते हैं।

अजय कुमार भल्ला ने ली मणिपुर के राज्यपाल के तौर पर शपथ

इंफाल। पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने मणिपुर के 19वें राज्यपाल के तौर पर शपथ ली। उन्हें मणिपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी कृष्णाकुमार ने शपथ दिलाई। उन्होंने राइफल्स के जवानों द्वारा दिए गए गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। बता दें कि अजय कुमार भल्ला लंबे समय तक केंद्रीय गृह सचिव रहे। उन्होंने पिछले साल ही अगस्त में अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किया था। 1984 बैच के आईएएस अधिकारी (सेवानिवृत्त) अजय कुमार भल्ला को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले साल ही मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया था। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य मणिपुर का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। अजय भल्ला गुरुवार को इंफाल पहुंचे। मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह ने राजभवन में उका स्वागत किया।

न्यूज गैलरी

बैतूल में कुएं में गिरने से तेंदुए की मौत: वन विभाग ने शव निकालकर अंत्येष्टि की

बैतूल/नवप्रदेश। बैतूल में शुक्रवार को तेंदुए की कुएं में गिरने से मौत हो गई, जिसके बाद वन विभाग ने उसका शव निकलवाकर अंत्येष्टि करा दी। तेंदुए के शरीर पर कोई भी चोट के निशान नहीं मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि शिकार करते समय वह कुएं में गिर गया होगा। घटना धाराखोह की है। यहां शुक्रवार को किसान गुड़न अपने खेत पर बनाए नाडेप टांके की सिंचाई करने पहुंचा तो उसे कुएं में एक तेंदुआ मरा दिखाई दिया। इसकी सूचना उसने वन विभाग को दी। इसके बाद सीसीएफ वासु कन्नौजिया, डीएफओ, एडीओ अजय वाहने, बैतूल वन परिक्षेत्र के इंचार्ज आईएफएस विनोद जाखड़ ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए के शव को कुएं से निकलवाया और उसकी अंत्येष्टि करवा दी।

गलती से कुएं में गिरा तेंदुआ

डीएफओ सचिन गर्ग ने बताया कि तेंदुए के कुएं में गिरने की सूचना मिली थी। पशु चिकित्सकों से उसका मुआयना करवाया गया। तेंदुए को कोई चोट नहीं लगी है और उसके सभी अंग सही-सलामत पाए गए। जहां वह मिला उसके आसपास के दो सौ मीटर के दायरे में जांच भी की गई है। कोई भी संदिग्ध तथ्य नहीं मिले है। संभावना है कि वह गलती से कुएं में गिर गया। तेंदुए की उम्र करीब एक साल थी।

2011 में भी ऐसे ही हुई थी एक तेंदुए की मौत

इस बात का अंदेशा भी लगाया जा रहा है कि तेंदुआ पक्षी का शिकार करते हुए कुएं में गिर गया होगा। यह घटना धाराखोह बैतूल वन परिक्षेत्र में हुई है। यह इलाका वन ग्राम भी है और पास में ही घना जंगल लगता है। यह सतपुड़ा टाइगर कॉरिडोर का हिस्सा भी है। इससे पहले 27 अक्टूबर को भी सवालमेंढ़ा रेंज में फंदे में फंस कर एक तेंदुए की मौत हो गई थी। इसके अलावा उत्तर वन मंडल के बाकुड में भी साल 2011 में एक तेंदुआ इसी तरह बिना मुंडेर के कुएं में गिरकर मर गया था। उसके पहले उसने किसान पर हमला किया था।

उज्जैन में चयनित शिक्षकों ने निकाली दंडवत यात्रा

पद वृद्धि की मांग पर कल रामघाट में होगा जल सत्याग्रह, तीन दिन चलेगा प्रदर्शन

उज्जैन/नवप्रदेश। पद वृद्धि की मांग कर रहे सैकड़ों वेटिंग शिक्षकों ने उज्जैन रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक दंडवत यात्रा शुरू की। प्रदेश भर के वर्ग-1 की चयन और पात्रता परीक्षा पास करने वाले शिक्षक नौकरी की मांग में प्रदर्शन कर रहे हैं। आगामी तीन दिन उज्जैन में रहकर सभी अभ्यर्थी शिप्रा नदी और टावर चौक पर प्रदर्शन करेंगे। एक साल से पद वृद्धि की मांग कर रहे चयनित शिक्षकों ने दिल्ली और भोपाल के बाद अब उज्जैन में प्रदर्शन शुरू किया है। प्रदेश भर से अलग अलग ट्रेनों से उज्जैन रेलवे स्टेशन पहुंचे अभ्यर्थियों ने अभ्यर्थी चयन और पात्रता परीक्षा पास करने के बाद भी प्रतीक्षा सूची में रखे जाने से नाराज होकर दंडवत यात्रा शुरू की जो महाकाल मंदिर पर खत्म होगी। इस दौरान महिलाओं ने करीब डेढ़ किमी तक दंडवत यात्रा निकालकर बाबा महाकाल से पद वर्द्धि की मांग की। अभ्यर्थियों ने बताया कि उच्च माध्यमिक शिक्षक वेटिंग 2023 के सभी अभ्यर्थी दो परीक्षा पास कर चुके है। सरकार ने कहा है की 58 हजार से अधिक पद खाली है। इसके बाद भी हमारी पोस्टिंग नहीं की जा रही। प्रदेश भर में करीब 12 हजार से अधिक ऐसे अभ्यर्थी है जो अपनी नियुक्ति का इंतजार कर रहे है। उन्होंने कहा कि हमने 2023 में दो परीक्षाएं दी। अब हम सब क्वालिफाइड वेटिंग शिक्षक है।

दंडवत यात्रा कर महाकाल से करेंगे प्रार्थना

अभ्यर्थियों ने कहा कि, सरकार ने माना है 58 हजार पद खाली है। हम बीस हजार पदों पर पद वृद्धि के लिए मांग कर रहे हैं। सरकार हमारी प्रार्थना सुनें। विगत डेढ़ सालों से प्रयास कर रहे हैं। हमने हर जगह आंदोलन किए। दिल्ली तक गए। भोपाल में भी हमने प्रदर्शन किया था। लेकिन सरकार सुन नहीं रही है। हमारी आज यही प्रार्थना है कि सरकार पदों पर चयनित शिक्षकों की भर्ती करे। हमने पहले भी प्रदर्शन कर भोपाल में रानी कमलापति से डीपीआई तक दंडवत यात्रा की। आज हम महाकाल बाबा से प्रार्थना करने आए हैं।

मंत्री सारंग ने करोंद स्थित निर्माणाधीन सीएम राइज़ स्कूल का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य में हो रही देरी पर जताई नाराजगी

भोपाल/नवप्रदेश। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को करोंद स्थित निर्माणाधीन सरदार पटेल सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्य में तेजी लाई जाए और निर्माण में पायी गई कमियों को शीघ्र दूर किया जाए। मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही सहन नहीं की जायेगी और इस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री को जवाब नहीं दे सके अधिकारी

मंत्री श्री सारंग ने स्कूल के डिज़ाइन और क्लॉस-रूम के स्पेस को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बच्चों की संख्या के अनुसार पर्याप्त स्थान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्कूल के मुख्य भवन में बने कॉरिडोर का भी निरीक्षण किया। कॉरिडोर की चौड़ाई बच्चों की

संख्या के लिहाज से कम होने पर उन्होंने निर्देश दिये कि कॉरिडोर के पास बनी असेंबली एरिया को बंद करने के बजाय खुला रखा जाए, ताकि विद्यार्थियों को पर्याप्त स्थान मिल सके। मंत्री श्री सारंग ने स्कूल निर्माण में फायर सेफ्टी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और तय मानकानुसार फायर सेफ्टी की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इसे शीघ्र पूरा किया जाए।

30 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण कार्य

सरदार पटेल सीएम राइज स्कूल का निर्माण लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह स्कूल अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा, जिससे विद्यार्थियों को एक समृद्ध और सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विद्यालय परिसर में 34 क्लॉस-रूम, लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेस रूम, किचन स्टोर सहित डायनिंग हॉल, 5 लेब, स्टॉफ रूम सहित विभिन्न सुविधाएँ विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध होंगी। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार अहिरवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी बीडीए श्री प्रदीप जैन, अधीक्षण यंत्री बीडीए श्री यतीश जैन, नगर निगम आयुक्त श्रीमती टीना यादव और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

देश के 80 प्रतिशत से अधिक घड़ियालों का घर है चंबल नदी

घड़ियाल राज्य है मध्यप्रदेश''

भोपाल/नवप्रदेश। वन्य जीवन से समृद्ध मध्यप्रदेश बाघ प्रदेश, चीता प्रदेश, तेंदुआ प्रदेश के साथ अब घड़ियाल प्रदेश भी है। यहाँ गिद्धों का आदर्श रहवास है। देश में घड़ियालों की संख्या 3044 है और उसमें से मध्यप्रदेश में 2456 है। इस प्रकार देश में 80 प्रतिशत से अधिक घड़ियालों का घर है मध्यप्रदेश। यहाँ पर डॉल्फिन का भी रहवास है। मध्यप्रदेश में अथक प्रयासों से घड़ियालों के संरक्षण का कार्य किया गया। उनके प्राकृतिक रहवास को सुरक्षित बनाया गया और अवैध शिकार पर रोक लगायी गयी। साथ ही अवैज्ञानिक मछली पकड़ने के तौर-तरीकों को बंद किया गया।

435 किलोमीटर क्षेत्र को किया चंबल घड़ियाल अभयारण्य घोषित

चंबल नदी के 435 किलोमीटर क्षेत्र को चंबल घड़ियाल अभयारण्य घोषित किया गया है। चंबल नदी मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा पर बहती है। नदी में घड़ियालों की वृद्धि की वजह देवरी ईको सेंटर है। इस सेंटर में घड़ियाल के अण्डे लाये जाते हैं और उनसे बच्चे निकलने के बाद उनका पालन किया जाता है। बच्चों की आयु 3 साल होने पर उन्हें नदी में छोड़ दिया जाता है। प्रतिवर्ष 200 घड़ियाल को ÷ग्रो-एण्ड-रिलीज'' कार्यक्रम के तहत नदी में

छोड़ा जाता है। स्वच्छ नदियों में रहना और नदियों को स्वच्छ रखना घड़ियालों की विशेषता है। इसी वजह से कई राज्यों से इसकी माँग की जाती है। चंबल नदी के घड़ियाल प्रदेश एवं देश की नदियों की शान बड़ा रहे हैं। जलीय जीव घड़ियाल नदियों का ईको सिस्टम मजबूत करते हैं।

देश में वर्ष 1950 और 1960 के दशक के बीच घड़ियालों की आबादी में 80 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आयी। भारत सरकार ने 1970 के दशक में इसे संरक्षण प्रदान किया। संरक्षण समूहों ने प्रजनन और पुन- प्रवेश कार्यक्रम शुरू किये। हालांकि, वर्ष 1997 और वर्ष 2006 के बीच घड़ियालों की आबादी में गिरावट आयी।

घड़ियाल को गेवियलिस गैंगेटिकस, जिसे गेवियल या मछली खाने वाला मगरमच्छ भी कहा जाता है। वयस्क मादा घड़ियाल 2.6 से 4.5 मीटर (8 फीट 6 इंच से 14 फीट 6 इंच) लम्बी होती है और नर घड़ियाल 3 से 6 मीटर (9 फीट 10 इंच से 19 फीट 8 इंच) लम्बे होते हैं। वयस्क नर के थूथन के अंत में एक अलग सिरा होता है, जो घड़ा नामक मिट्टी के बर्तन जैसा दिखता है, इसलिये इसका नाम घड़ियाल पड़ा। घड़ियाल अपने लम्बी, संकरी थूथन और 110 आपस में जुड़े तीखे दाँतों की वजह से मछली पकड़ने में सहायक होते हैं।

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य की स्थापना के लिये 30 सितम्बर, 1978 में भारत सरकार की प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी। घड़ियालों का कुनबा बड़ाने के लिये मुरैना में चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी के देवरी घड़ियाल सेंटर में हेचिंग सेंटर शुरू किये जायेंगे। इन नदियों के किनारे बसे 75 गाँव के लोगों को जागरूक किया गया है। गाँव के 1200 लोग घड़ियाल मित्र के रूप में वन विभाग के साथ काम कर रहे हैं।

पंजाब में वर्ष 1960-70 के बाद से वहाँ की नदियों से घड़ियाल गायब हो गये थे। चंबल नदी के देवरी घड़ियाल सेंटर से वर्ष 2017 में घड़ियाल पंजाब भेजे गये थे। वर्ष 2018 में 25 घड़ियाल सतलुज नदी के लिये भेजे गये और वर्ष 2020 में व्यास नदी के लिये 25 घड़ियाल भेजे गये थे।

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य

चंबल नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने की दिशा में राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य बनाया गया था। तीन राज्यों में स्थित इस सेंचुरी का मुख्य आकर्षण घड़ियाल और दुर्लभ पक्षी 'स्कीमर' है। यह गंगेटिक में पायी जाने वाली डॉल्फिन, घड़ियाल, मगरमच्छ और साफ पानी के कछुओं के लिये प्रसिद्ध है। वर्ष 1979 में इसे राष्ट्रीय अभयारण्य घोषित किया गया था। यह तीन राज्यों मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान में फैला हुआ है। अब तक प्रवासी एवं यहाँ रहने वाले पक्षियों की 290 से अधिक प्रजातियों की पहचान की जा चुकी है। इस अभयारण्य का मुख्य आकर्षण घड़ियाल और दुर्लभ पक्षी ÷इण्डियन स्मीकर'' है। यह दुर्लभ पक्षी गर्मियों के मौसम में यहाँ अपना घरोंदा बनाते हैं। देश में अपनी कुल आबादी के करीब 80 फीसदी स्मीकर चंबल सेंचुरी में प्रवास करते हैं।

हार-जीत खेल का हिस्सा, खेलों में सहभागिता आवश्यक: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में पश्चिम क्षेत्र इंटर विश्वविद्यालय (महिला) शतरंज टूर्नामेंट का शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि शिक्षा और स्वास्थ्य का स्तर ऊंचा उठाकर ही देश को तरक्की के पथ पर आगे बढ़ाया जा सकता है। खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, खेलों में सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास और कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तत्वावधान में पश्चिम क्षेत्र इंटर यूनिवर्सिटी (महिला) शतरंज टूर्नामेंट (2024-2025) का सैम यूनिवर्सिटी परिसर भोपाल में माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। टूर्नामेंट में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 60 विश्वविद्यालयों की 255 महिला खिलाड़ी सहभागिता करेंगी। सैम समूह के अध्यक्ष डॉ. हरप्रीत सिंह सलूजा, कुलपति डॉ. एन.के. तिवारी सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। डॉ. तिवारी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी।

इंदौर में स्वर शतकम कार्यक्रम में भागवत बोले: महाभारत में पांडवों ने युद्ध के समय घोष किया था

इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर में शुक्रवार को संघ के घोष वादन के समापन कार्यक्रम में शामिल होने संघ प्रमुख मोहन भागवत सुबह करीब 9.30 बजे इंदौर पहुंचे। सबसे पहले वे सुदर्शन कार्यालय गए। यहां से 3.15 बजे दशहरा मैदान स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। ध्वजारोहण के बाद मालवा प्रांत के 28 जिलों के 870 घोष वादक की प्रस्तुति शुरू हुई। कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, ÷एक साथ इतने स्वयंसेवक संगीत का प्रस्तुतिकरण कर रहे हैं, यह एक आश्चर्यजनक घटना है। हमारी रण संगीत परंपरा जो विलुप्त हो गई थी, अब फिर से लौट आई है। महाभारत में पांडवों ने युद्ध के समय घोष किया था, उसी तरह संघ ने भी इसे पुनः जागृत किया।÷ उन्होंने आगे बताया, ÷संघ जब शुरू हुआ, तब शारीरिक कार्यक्रमों के साथ-साथ संगीत की भी

आवश्यकता थी। उस समय मिलिट्री और पुलिस से ही संघ ने संगीत सीखा। यह सब देशभक्ति के लिए किया गया।÷ भागवत ने यह भी कहा, ÷हमारा देश दरिद्र नहीं है, हम अब विश्व पटल पर खड़े हैं। संघ के कार्यक्रमों से मनुष्य के सद्गुणों में वृद्धि होती है। डंडा चलाने का उद्देश्य झगड़ा करना नहीं है, बल्कि यह उस स्थिति के लिए है जब कोई हमारे सामने आकर गिर जाए, तो हम उसकी मदद कर सकें। लाठी चलाने वाले व्यक्ति को वीरता प्राप्त होती है, वह कभी नहीं डरता।÷ इस दौरान संघ प्रमुख ने स्वयंसेवकों को देशभक्ति और अपने कर्तव्यों को निभाने का संदेश भी दिया।

संघ प्रमुख मोहन भागवत के उद्बोधन की खास बातें

संगीत के अनुरागी सब हैं, लेकिन साधक सब नहीं हैं। अपना-अपना काम करते हुए समय निकालकर अभ्यास करते हुए उन्होंने यह प्रस्तुति दी है। स्वाभाविक रूप से इसे सुनकर सभी को आश्चर्य हुआ है।

संघ जब शुरू हुआ तो शारीरिक कार्यक्रमों के लिए संगीत अच्छा लगता है। इसलिए परिश्रमपूर्वक देख-देख कर सीखा। उस समय भारतीय परंपराओं में इस प्रकार का वादन कहीं पर नहीं था। मिलिट्री और पुलिस ही थी स्वयं सेवकों के सामने। नागपुर के कामठी कैंटोनमेंट के परेड ग्राउंड के बाहर कंपाउंड में बैठकर घोष वादन सीखने की शुरुआत की गई।

ध्वजारोहण के समय आपने राजेश्वरी राग में जो रचना सुनी वो सबसे पहले बनी। बाद में संचलन और व्यायाम योग के लिए अनुकूल धुनें भारतीय संगीत के आधार पर बनी। जो दुनिया में सबके पास है वो हमारे पास भी होना चाहिए। हम किसी से पीछे नहीं हैं। संघ के कार्यक्रम प्रदर्शन के लिए नहीं होते। इससे मनुष्य की संस्कृति, स्वभाव और संस्कार बनते हैं।

इससे पहले गुरुवार को स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम की रिहर्सल की। दशहरा मैदान को आयोजन के लिए तैयार किया गया है। यहां एक डोम और मंच बनाया गया। अन्य शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में शताब्दी वर्ष के आयोजन फरवरी से होंगे।

प्रदेश में वन्य-जीव पर्यटन अभियान की शुरुआत 4 जनवरी से : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को करेंगे चंबल अभयारण्य का भ्रमण

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन्य जीव पर्यटन की दिशा में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। शनिवार 4 जनवरी से वन्य-जीव पर्यटन को एक नया आयाम मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चंबल अभयारण्य का भ्रमण कर चंबल नदी के घड़ियाल अभयारण्य की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर पर्यटन सुविधाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रकृति ने मध्यप्रदेश को कई वरदान दिए हैं। सघन वन, वृक्षों की विविधता के साथ ही वन्य-प्राणियों की भी विविधता मध्यप्रदेश में देखने को मिलती है। वनों और वन्य-प्राणियों से मध्यप्रदेश की एक अलग पहचान बनी है। मध्यप्रदेश बाघ, तेंदुआ और घड़ियाल जैसे प्राणियों की सर्वाधिक संख्या वाला प्रदेश है। चीता पुनर्स्थापन करने वाला मध्यप्रदेश एक मात्र प्रदेश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में ही नहीं पूरे विश्व में सर्वाधिक घड़ियाल चंबल नदी में पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि विश्व में लगभग तीन हजार घड़ियाल हैं, तो इनमें से 85 प्रतिशत चंबल नदी में हैं। करीब चार दशक पहले घड़ियालों की गणना का कार्य शुरू हुआ, जिससे घड़ियालों के इतनी बड़ी संख्या में चंबल में होने की जानकारियां सामने आईं। जनवरी और फरवरी महीने में अनुकूल तापमान का अनुभव कर घड़ियाल पानी से बाहर निकलते हैं और उस वक्त घड़ियालों और मगरमच्छों की गिनती आसानी से हो जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य को राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्य-जीव अभयारण्य के नाम से भी जाना जाता है। पर्यटकों में यह चंबल बोट सफारी के नाम से प्रसिद्ध है। यह तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के संयुक्त प्रयासों से एक प्रमुख संरक्षण परियोजना है। मध्यप्रदेश में वर्ष 1978 में इसे वन्य-जीव अभयारण्य के रूप में मान्यता दी गई थी। चंबल घड़ियाल वन्य-जीव अभयारण्य का मुख्य उद्देश्य लुप्तप्राय घड़ियाल, लाल मुकुट वाले छत कछुए और लुप्तप्राय गांगेय डॉल्फिन को संरक्षित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभयारण्य लगभग साढ़े पांच वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। पहाड़ियों और रेतीले समुद्र तटों की तरह चंबल नदी के तटों से यह धरती भरी हुई है। यह वन्य-जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित है और इसका मुख्यालय मुरैना में है। घड़ियालों और गंगा डॉल्फिनों का निवास स्थान, पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया गया है। घड़ियाल, लाल मुकुट वाले कछुए और डॉल्फ़िन यहाँ पाए जाते हैं। अन्य जानवर जो (दुर्लभ) श्रेणी में हैं, उनमें मगरमच्छ, चिकने-लेपित ऊदबिलाव, धारीदार लकड़बग्घा और भारतीय भेड़िये हैं, जो संरक्षण सूची की अनुसूची-1 में शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चंबल नदी में कछुआ परिवार की 26 दुर्लभ प्रजातियों में से 08 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें भारतीय संकीर्ण सिर एवं नरम खोल वाला कछुआ, तीन धारीदार छत वाला कछुआ और मुकुटधारी नदी वाला कछुआ

विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन का कार्यकाल खत्म: सरकार ने पैनल चयन के लिए बनाई कमेटी

हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज कमेटी अध्यक्ष

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन पद का कार्यकाल आज से खत्म हो गया है। इसके बाद नए चेयरमैन पद पर नियुक्ति के लिए ऊर्जा विभाग ने समिति का गठन किया है।

इस समिति में रिटायर्ड हाईकोर्ट जज के साथ मुख्य सचिव और अध्यक्ष, विद्युत प्राधिकरण को शामिल किया गया है, जो पैनल का चयन करेंगे और इसके बाद नए चेयरमैन के नाम पर सरकार फैसला करेगी। इस पद के लिए पिछले महीनों में दावेदारों से आवेदन बुलाने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है और रिटायर्ड

आईएएस अफसरों ने भी इसके लिए आवेदन किया है। विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई द्वारा गठित समिति में अध्यक्ष के रूप में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज रूपेश चंद्र वार्ष्णेय को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, समिति में दो सदस्य- मुख्य सचिव अनुराग जैन और अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को शामिल किया गया है। समिति के अध्यक्ष वार्ष्णेय ग्वालियर के रहने वाले हैं। उनके नेतृत्व में जल्द ही विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए पैनल का चयन करने को लेकर बैठक बुलाई जाएगी। इस बैठक में चयन समिति चेयरमैन पद के लिए दावेदारी करने वालों के नामों पर विचार करेगी और तीन नाम सिलेक्ट कर राज्य शासन को भेजेगी। इसके बाद राज्य सरकार अंतिम नाम पर फैसला करेगी।

17 सितंबर से मांगे थे दावेदारों से आवेदन, फिर तारीख बढ़ाई

ऊर्जा विभाग ने विद्युत नियामक आयोग के नए चेयरमैन पद के रिक्त होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए अगस्त में सूचना जारी कर 17 सितंबर तक दावेदारों से आवेदन मांगे थे। बाद में इस तारीख को 15 दिन बढ़ाकर 3 अक्टूबर 2024 किया गया। इसके बाद फिर से तारीख बढ़ाई गई और 5 नवंबर 2024 तक आवेदन स्वीकार किए गए। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष और अन्य सदस्यों की सहमति से नियुक्ति के लिए नाम फाइनल किए जाएंगे। विद्युत नियामक आयोग के वर्तमान चेयरमैन एसपीएस परिहार का कार्यकाल 2 जनवरी 2025 को समाप्त हो गया है। ऊर्जा विभाग ने प्रशासनिक और ऊर्जा क्षेत्र में काम करने वाले एक्सपर्ट्स से आवेदन मांगे हैं। इस पद के लिए 65 साल से कम उम्र के अखिल भारतीय सेवा के रिटायर्ड अधिकारी और एक्सपर्ट्स ने आवेदन कर चेयरमैन पद के लिए दावेदारी जताई है।

सुविचार

अमीर होने का मतलब है आपके पास पैसा होना और बहुत अमीर होने का मतलब है आपके पास समय होना। - अज्ञात

बीएसएफ पर ममता के आरोप

बांग्लोदश से भारत में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की घुसपैठ की घटना को लेकर अब केन्द्र सरकार के साथ बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने टकराव का रास्ता चुन लिया है। ममता बनर्जी ने बार्डर सिक्योरिटी फोर्स पर आरोप लगाया है कि बीएसएफ के जवान पैसे लेकर बांग्लादेशियों की बंगाल में घुसपैठ कराते हैं। केन्द्र सरकार बंगाल में अराजकता का माहौल निर्मित करना चाहती है इसीलिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ कराई जा रही है। चूंकि घुसपैठ रोकना केन्द्र सरकार का काम है और इसमें बंगाल सरकार कुछ नहीं कर सकती । ममता बनर्जी की तरह ही आम आदमी पार्टी ने भी नई दिल्ली में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की घुसपैठ के लिए केन्द्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। नई दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने आरोप लगाया है कि केन्द्र सरकार सीमा पर घुसपैठ रोकने में विफल रही है। गौरतलब है कि बंगाल और नई दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में लाखों की संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए और रोहिंग्या लंबे समय से रह रहे है। हाल ही में नई दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में बसे घुसपैठियों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। पुलिस ने लगभग डेढ़ दर्जन बांग्लादेशियों को पकड़ा है जिनका स्थाई पता बंगाल दर्शाया गया है। जबकि वे मूलरूप से बांग्लोदश के निवासी है। इसी तरह महाराष्ट्र में भी अवैध रूप से रह रहे कुछ बांग्लादेशी पकडे गए है। भाजप ने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया है कि वे बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों को शरण दे रही है और उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रह है। यही नहीं बल्कि उनके फर्जी मतदाता पहचान पत्र भी बनाए गए है। इसी तरह आम आदमी पार्टी की सरकार भी नई दिल्ली में घुसपैठियों को बसा रही है क्योंकि ये घुसपैठिए तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के वोट बैंक है। कुल मिलाकर घुसपैठियों को लेकर केन्द्र सरकार और नई दिल्ली व बंगाल की सरकार एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाकर अपने कत्वर्य की इतिश्री कर रहे हैं। घुसपैठियों के खिलाफ अभी तक न तो केन्द्र सरकार ने और न ही राज्य सरकारों ने कोई कड़े कदम उठाये हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और बांग्लोदश की सीमा बहुत बड़ी है और वहां ऐसे कई स्थान है जहां से बांग्लादेशी आसानी से बंगाल या असम में घुसपैठ कर जाते हैं। इसके लिए बीएसएफ को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या केन्द्र सरकार पर कैसे भी आरोप लगाए लेकिन उन्हें भारतीय सेना की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह नहीं लगाना चाहिए। रही बात बंगाल में बसे घुसपैठियों की तो इसके लिए ममता बनर्जी की सरकार को अभियान चलाना चाहिए। जिस तरह नई दिल्ली पुलिस घुसपैठियों की पड़ताल कर रही है उसी तरह बंगाल पुलिस को भी वहां लाखों की संख्या में रह रहे बांग्लादेश घुसपैठियों की पहचान के लिए अभियान शुरू करना चाहिए। केन्द्र सरकार को भी बांग्लोदश की सीमा से भारत में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को रोकने के लिए और कड़े कदम उठाने चाहिए। इसके साथ ही देश के अन्य राज्यों में भी अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों की पहचान के लिए अभियान तेज किया जाना चाहिए। तभी घुसपैठ की समस्या का सामधान हो पाएगा।

किसानों के हित में सराहनीय पहल

एक ओर तो पंजाब के किसान अपनी मांगों को लेकर फिर आंदोलित हो उठे हैं। वहीं दूसरी ओर केन्द्र सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लेकर सराहनीय पहल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्री परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि डीएपी खाद की सब्सिडी बढ़ाई जाएगी। इस मद में केन्द्र सरकार ने 3850 करोड़ रूपये का आबटन किया है। वैश्विक प्रभाव से डीएपी खाद को मुक्त रखने के लिए पचास किलो वाली डीएपी खाद की बोरी की कीमत 1350 रूपये फिक्स कर दी गई है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उर्वरकों के दाम में वृद्धि होने के बावजूद भारत के किसानों को 1350 रूपये में ही डीएपी खाद उपलब्ध कराई जाएगी। निश्चित रूप से इससे देश के किसानों को लाभ होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि डीएपी खाद का संकट न हो और समय पर किसानों को यह खाद मुहैया हो पाये। इसके अलावा केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का आबंटन भी बढ़ा कर अब 69515 करोड़ रूपये कर दिया है। ताकि प्राकृतिक आपदा के कारण फसल को होनं वाली क्षति का किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाया जा सके। यही नहीं बल्कि केन्द्र सरकार ने अब फसल बीमा गणना और क्षति के आंकलन के लिए एक नई तकनीक विकसित करने का भी निर्णय लिया है ताकि अतिवृष्टि अथवा सूखा पड़ने जैसी प्राकृतिक आपदा के बाद किसानों को हुई क्षति का जल्द से जल्द आंकलन किया जा सके और उन्हें समय पर फसल बीमा योजना का लाभ दिया जा सके। केन्द्र सरकार के इन किसान हितैषी फैसलों से अन्नदाता किसानों को निश्चित रूप से भारी राहत मिलेगी। खासतौर पर लघु और सीमांत कृषकों को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा।

प्रेरक प्रसंग

मानव जाति-एकात्मा

चीन में उन दिनों कुछ थोड़े से शहरों को छोड़कर शेष स्थानों पर विदेशियों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। कभी भूल से कोई विदेशी वहाँ पहुँच जाता तो चीनी मरने-मारने को उतारू हो जाते, उनकी जान संकट में पड़ जाती। एक बार स्वामी विवेकानंद चीन भ्रमण पर गए। उनकी किसी गाँव के भ्रमण की इच्छा हुई। दो जर्मन पर्यटकों की भी इच्छा वहाँ का ग्राम्य जीवन देखने की थी, पर साहस के अभाव में उनकी प्रवेश की हिम्मत नहीं हो रही थी। उन्होंने यह बात स्वामी जी से कही तो स्वामी जी ने कहा- "सारी मनुष्य जाति एक है। हमें विश्वास है कि यदि हम सच्चे हृदय से वहाँ के लोगों से मिलने चलें, तो वे लोग हमें मारने की अपेक्षा प्रेम से ही मिलेंगे।" वे जर्मन पर्यटकों को लेकर गाँव की ओर चल पड़े। दुभाषिया उसके लिए तैयार नहीं हो रहा था, पर जब स्वामी जी नहीं रुके, तो वह भी साथ चला तो गया, पर अंत तक उसे यही भय बना रहा कि कहीं वे लोग उन्हें मारे नहीं। गाँव वाले विदेशियों को देखकर लाठी लेकर मारने दौड़े। स्वामी विवेकानंद ने उनकी ओर स्नेह पूर्ण दृष्टि डालते हुए कहा- "क्या आप लोग अपने भाइयों से प्रेम नहीं करते ?" दुभाषियों ने यही प्रश्न उनकी भाषा में ग्रामीणों से पूछा तो वे बेचारे बड़े लज्जित हुए और लाठी फेंककर स्वामी जी के स्वागत सत्कार में जुट गए। यह देखकर जर्मन बोले- "सच है, यदि आप जैसा निश्छल प्रेम सारे संसार के लोगों में हो जाए, तो धरती पर कहीं भी कष्ट और कलह न रह जाए।"

आज का पंचांग

सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त : 05:27, चन्द्रोदयः : 28:46, चन्द्रास्तः :14:19, अयन : दक्षिणायणे (दक्षिणगोलीय), ऋतुः :? शिशिर, शक सम्वतः : 1946 (क्रोधी), विक्रम सम्वतः : 2081 (काल), मास : पौष, पक्ष : शुक्ल , तिथि : चतुर्थी और पंचमी नक्षत्रः शतभीषा, योग : शूल, प्रथम करण : कौलव (13:39 तक), द्वितीय करण : तैतिल (26:26 तक)

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : धनु, चंद्र : कुंभ, मंगल : कर्क (उदित, पूर्व, वक्री), बुध : वृश्चिक (उदित, पश्चिम, मार्गी), गुरु : वृष (उदित, पश्चिम, वक्री), शुक्र : मकर (उदित, पूर्व, मार्गी), शनि : कुम्भ (उदित, पूर्व, वक्री), राहु : मीन, केतु : कन्या।

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त : 11:58 से 12:39, अमृत काल : 10:49 से 12:35, सर्वार्थसिद्धि योग : 20:28 से 31:12, विजय मुहूर्त : 14:00 से 14:41, गोधूलि मुहूर्त : 17:22 से 17:50, सायाह्न सन्ध्या : 17:25 से 18:47, निशिता मुहूर्त : 23:51 से 24:46, राहुकाल : 09:00 से 10:30, राहुवास : दक्षिण-पूर्व, यमगण्ड : 14:51 से 16:08, दुर्मुहूर्त : 09:14 से 09:55, होमाहुति : केतु, दिशा शूल : पश्चिम, अग्निवास : पाताल (26:26 से पृथ्वी), चन्द्र वास : पश्चिम।

डॉक्टरों की कमी पूरी करने के लिए अदालत की पहल

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

सरकार ने आयुष्मान योजना जैसी कई पहल तो की हैं, लेकिन ध्यान रखना जरूरी है कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में व्यवस्थागत दिक्कतें पैदा न हों। सरकारों का नैतिक दायित्व बनता है कि हाशिये के समाज को सस्ती व सहज रूप से चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता का भी लाभ मिल सके। साथ ही नीति-नियंताओं के लिये यह आत्ममंथन का विषय है कि देश चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में नई खोजों व अनुसंधान में पीछे क्यों रह गया है। साथ ही देश की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहन भी जरूरी है।

सर्वविदित है कि देश की विशाल आबादी पर चिकित्सकों की उपलब्धता वैश्विक मानकों के अनुरूप नहीं है। यूनेस्को कई बार बता चुका है कि भारत के कई स्थानों पर एक हजार व्यक्तियों पर एक चिकित्सक भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यदि देश के कई मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाएं तो इसे देश के लिये विडंबना ही कहा जाएगा। इस ज्वलंत मुद्दे पर देश की शीर्ष अदालत ने संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि इस माह के अंत तक देश के सभी मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में रिक्त पड़ी सीटों को तुरंत भरा जाए। जाहिर है जब देश में पहले से ही डॉक्टरों के कमी है तो ये सीटें क्यों खराब की जा रही हैं? निश्चित रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में शीर्ष अदालत की यह पहल बदलावकारी साबित हो सकती है। फरवरी 2024 को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में मंत्रालय की ओर से नेशनल मेडिकल कमीशन की रिपोर्ट पेश की गई, इस रिपोर्ट के हिसाब से भारत में जून 2022 तक स्टेट मेडिकल काउंसिल और नेशनल मेडिकल कमीशन में 13,08,009 एलोपैथिक डॉक्टर रजिस्टर्ड हैं। इस रिपोर्ट के हिसाब से भारत में जून 2022 तक स्टेट मेडिकल काउंसिल और नेशनल मेडिकल कमीशन में 13,08,009 एलोपैथिक डॉक्टर रजिस्टर्ड हैं।

देश में चिकित्सकों की कमी को देखते हुए पिछले दिनों बड़ी संख्या में नये मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, लेकिन इनमें सीटों की संख्या दुगनी हो जाने के बाद भी डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2014 में कार्यभार संभालने के बाद से विशेष उपचार के लिए एक दर्जन से अधिक एम्स जैसे चिकित्सा संस्थानों का निर्माण किया है। सरकार की देश के 761 जिलों में से हरेक में कम से कम एक बड़ा अस्पताल बनाने की योजना है। समस्या डॉक्टरों की कमी की है। यह कमी तब और गंभीर हो जाती है जब भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1991 में भारत का डॉक्टर-रोगी अनुपात प्रति 1,000 रोगियों पर 1.2 डॉक्टरों के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ी 2020 में अनुपात घटकर लगभग 0.7 रह गया।

डब्ल्यूएचओ द्वारा सिफारिश स्तर एक है और चीन में यह अनुपात 2.4 है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मार्च में संसद को बताया कि वास्तव में भारत में प्रति 834 रोगियों पर एक डॉक्टर का अनुपात है, जो डब्ल्यूएचओ स्तर से काफी ऊपर है, लेकिन संख्या में आयुर्वेद, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सक शामिल थे। डब्ल्यूएचओ और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जैसे डॉक्टर समूह अपनी गणना में पारंपरिक चिकित्सा के चिकित्सकों को शामिल नहीं करते हैं।

इस दिशा में उत्तर प्रदेश में काफी अच्छा काम हुआ है। एक समय में यूपी में सिर्फ 18 मेडिकल कॉलेज थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश और सूबे के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के चलते आज राज्य में 64 जिलों में कम से कम एक संस्थान स्थापित हो चुके हैं। जो बहुत बड़ी उपलब्धि है। बाकी के बचे हुए जिलों में भी मेडिकल कॉलेज खोलने की

तैयारी योगी सरकार कर रही है। असल में यूपी में योगी सरकार 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' के प्रण को पूरा करने की दिशा में बड़ी तेजी से काम कर रही है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि मोदी के कार्यकाल में विशेष संस्थानों को छोड़कर, सार्वजनिक अस्पतालों की संख्या में लगभग नौ फीसदी की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक सरकार ने निजी और सार्वजनिक कॉलेजों में स्नातक मेडिकल सीटों की जो संख्या मार्च 2014 से पहले 51,348 थी उसे लगभग दोगुनी कर 1,01,043 कर दी है।

फरवरी 2023 में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संसद में दिए गए एक जवाब के मुताबिक 31 बड़े केंद्र सरकार के अस्पतालों में 3,000 से अधिक डॉक्टरों की वैकंसी थी, जिनमें एक दर्जन से अधिक विशिष्ट संस्थान शामिल हैं। वहीं नर्सों और सहायक कर्मचारियों की रिक्तियां 21,000 से अधिक थीं। बड़े शहरों के बाहर विशेष देखभाल की कमी खास तौर से गंभीर है। सरकार का कहना है कि मार्च 2022 तक ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सर्जन, चिकित्सकों, स्त्री रोग विशेषज्ञों और बाल रोग विशेषज्ञों की लगभग 80 फीसदी कमी थी।

वैसे देश में निजी अस्पतालों में तो डॉक्टरों की कमी नहीं है, लेकिन सार्वजनिक अस्पतालों व डिस्पेंसरियों में डॉक्टरों की कमी बराबर बनी रहती है। खासकर ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति बहुत खराब है। यही वजह है कि देश के बड़े चिकित्सा संस्थानों मसलन एम्स व पीजीआईएमईआर जैसे संस्थान मरीजों के दबाव से चरमरा रहे हैं। साथ ही चिकित्सक बेहद दबाव में काम कर रहे हैं।

यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने इस संकट की गंभीरता को महसूस करते हुए निर्देश दिए हैं कि इस महीने के अंत तक काउंसलिंग करा कर उन सीटों को तुरंत भरा जाए। निश्चित रूप से इस पहल से देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को संबल मिल सकेगा। निस्संदेह, यह तार्किक है कि चिकित्सा पाठ्यक्रम में दाखिले को लेकर देश में भारी मारामारी है। इसकी वजह यह है कि मेडिकल की पढ़ाई के बाद कमोबेश रोजगार पाना गारंटी जैसी होता है। उनके लिये विदेशों में भो रोजगार के आकर्षक अवसर होते हैं। अन्यथा निजी अस्पताल खोलकर भी वे अपना शानदार करियर बना सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल हमारे गांवों में चिकित्सा सुविधाओं के नितांत अभाव का होना है। ऐसा नहीं है कि इस चुनौतीपूर्ण स्थिति का सरकार को भान नहीं है।

सरकार भी मानती है कि देश के ग्रामीण इलाकों के अस्पतालों अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता तो दूर सामान्य डॉक्टरों की मौजूदगी भी कम ही है। इस संकट का समाधान तभी संभव है जब देश में अधिक मेडिकल कॉलेज खुलें और उनकी सभी सीटों को भरा जाए। वहीं दूसरी ओर डॉक्टरों को ग्रामीण इलाकों में काम करने के लिये प्रेरित किया जाए। उन्हें वेतन तथा प्रोन्नति के विशेष अवसर दिए जाएं।

अनिवार्य रूप से तय किया जाए कि मेडिकल कालेजों से निकलने वाले चिकित्सक कुछ प्रारंभिक वर्षों तक ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दें। इस बात पर मंथन किया जाना चाहिए कि विगत में हुए ऐसे प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ पाए। इसके अलावा दुनिया के अनेक देशों से मेडिकल की पढ़ाई करके आने वाले डॉक्टरों को आवश्यक अर्हताएं पूरी करने पर डॉक्टरी करने की सुविधा प्रदान की जाए। किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार का दायित्व बनता है कि गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले तथा कमजोर वर्गों के लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाएं। ये लोग महंगे निजी अस्पतालों की चैखट तक पहुंचने की क्षमता नहीं रखते।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1906 में 4 जनवरी के दिन ही दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को एक विकेट से हराकर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। 1906 में आज ही के दिन किंग जार्ज पंचम ने कलकत्ता के विक्टोरिया मेमोरियल हॉल की आधारशिला रखी थी। 1932 में 4 जनवरी के दिन ही ब्रिटिश ईस्ट इंडीज के वायसराय विलिंगडन ने महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू को गिरफ्तार किया था। 1948 में आज ही के दिन बर्मा ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा की थी। 1951 में 4 जनवरी के दिन ही चीन के सुरक्षाबलों ने कोरियाई युद्ध के दौरान सियोल पर कब्जा किया था। 1962 में आज ही के दिन अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में पहली स्वचालित मेट्रो ट्रेन चली थी। 1972 में 4 जनवरी के दिन ही नई दिल्ली में इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिमिनालॅजी एंड फोरेंसिक साइंस का उद्घाटन हुआ था।1998 में आज ही के दिन बंग्लादेश ने भारत को उल्फा महासचिव अनूप चेतिया को सौंपने से इनकार किया था। 2004 में 4 जनवरी के दिन भारत के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जफर उल्ला खान जमाली के बीच इस्लामाबाद में वार्ता हुई थी।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ठिठुरन मय

ठिठुरन मय नव वर्ष की, मिलें बधाई आज। किटकिट करते दाँत यूँ, ज्यों बजता हो साज ॥ ज्यों बजता हो साज, इसी को गीत बनाया। हैप्पी ईअर बोल, सभी का मन हर्षाया। सुमन खुशी के बीच, नही आने दो सिकुड़न। दीप्त आस के रंग , दूर कर देगें ठिठुरन।

– **सुमन ओमानिया**

दुःख सुख में

दुःख सुख में हो जाए परिवर्तित द्वतब तो नया साल कहूँ जब बैठे हो सामने मेरे तुमद्व तब तोअपना हाल कहूं।। यूं तो रोज बदलती तारीख धूप छांव सी जीवन में तुम ना बदलो गर तारीखों सा द्वतब तो नया साल कहूं।।

– **वंदना मोदी गोयल**

ख़ास पाती | उनसे मिलने के बाद मैं घर

उनसे मिलने के बाद मैं घर नहीं गया गांव में ही रहा...फिर शहर नहीं गया ।। बहुत से वैद्य-हकीमों से मिल चुका हूँ ऐसा काटा है उसने...जहर नहीं गया ।। समूचा गांव... दहशत में रहता है आंखों से बाढ़ का....कहर नहीं गया ।। किसी ने बताया रात में चुडैल दिखी मंगरुआ, दिन में उस डहर नहीं गया ।। काकी ने कहा अभी खाने में देरी है मगर ड्योढ़ी से...मुसहर नहीं गया ।। गजल के दाग को..खूब छुड़ाया मैंने काफिया छूटा..मगर बहर नहीं गया ।। लोग कहते हैं, मैं अब भूलने लगा हूँ जो भी हो, याद से ममहर नहीं गया ।। – **मनीष सिंह**

नव वर्ष में नव संकल्प ले हम सब

नव वर्ष में नव संकल्प ले हम सब चलें निरंतर पथ्य और अपथ्य भोजन में सीखें करना अंतर स्वस्थ रहेंगे यदि जीवन में तो बांटेगे खुशियां मुखड़े पर मुस्कान रहेगी रहे प्रफुल्लित भी घर। रोगों से भी होगी दूरी सांसे होंगी फिर तर नहीं चिड़चिड़ापन भी होगा इस शरीर के भीतर टूटेंगे फिर सकल अबोले रिश्ते हों संचारित खिला हुआ गुलदान रहे तो महक रहती बेहतर।। – **रजनी रामदेव**

कुछ बाँट कर और कुछ लूट कर

कुछ बाँट कर और कुछ लूट कर साल पुराना समय की डगर गया! अब ओढ़े नई उम्मीद कौन है फिर जग के द्वार पर आ हुआ खड़ा! सलाम करे, दिल मिलाएं, दुआ करे जला ले, फिर हौसलों के दिये! ऐ साल - ए - नौ, अबकी बार ये कदम तेरे ,मुबारक़ हो जमीं के लिए! – **जावेद उस्मानी**

साँचो बदली हालात नया साल

साँचो बदली हालात नया साल में का। पूरा होई ई बात नया साल में का।। लोग इहाँ बाटे मुँह बवले अभिये से। मिली कुछो अब सौगात नया साल में का।। सरकार कही लोक लुभावन जुमला कुछ। ई दिल पाई आघात नया साल में का।। झूठ प झूठ सुनी केहू कबले, बोलीं। अँखिया देखी बरसात नया साल में का।। खुशी के फूल खिली दिल में हमरो कबहूँ। गम के देहब हम मात नया साल में का।। बाटे बहुत मिलावट बात के अभिये से। दू के करब सभे सात नया साल में का।। चर्चा बाटे महफिल रंगीन सजी जी। होठ प होई नग्मात नया साल में का।। शांति से रोकीं सभे हवा नफरत के अब। 'ऐनुल' करीं मुलाकात नया साल में का।। – **'ऐनुल' बरौलवी**

सात रंग की चूनर ओढे झूम रहीं

सात रंग की चूनर ओढे झूम रहीं किरणों की टोली! तितली के पंखों पर बैठीं कैसे करतीं आँख मिचौली। नव प्रभात की नव-नव किरणों लग रही, तुम सुंदर, अलबेली इंद्र -धनुष के रंगों वाली किरणों ..करना यूँ अठखेली नीरस मन के द्वार उतर के सजाना सपनों की रंगोली। पार सरहदों के उड़ जाती पार मजहबों के तुम गाती कवि की कल्पना से भी सुंदर आशाओं की सी उज्ज्वल साँसों में घुलती अमृत सा अनकही, ये गूंगी बोली। – **अजय कुमार सिंह भदौरिया**

सभी को मिलाने नया साल आया

सभी को मिलाने नया साल आया तरन्नुम मैं गाने नया साल आया ।। तेरी राहें मुश्किल रही थी उन्हें फिर से आसां बनाने नया साल आया ।। रहे तुमसे अंजान क्यों हम हमेशा तुम्ही से मिलाने नया साल आया ।। नई राह के सब नये दोस्तों से मुहब्बत बढ़ाने, नया साल आया गये साल की ही तरह फिर से देखो हमें आजमाने नया साल आया ।। – **माधुरी स्वर्णकार**

QUIZ TIME

1) न्यायाधीश जाँच अधिनियम में कितनी धाराएँ हैं?

2) भारत में लोकहितवाद को प्रारम्भ करने का श्रेय किसको है?

3) असहयोग आंदोलन शुरू करने के समय भारत का वायसराय कौन था?

4) दुनिया का ऐसा कौन सा पक्षी है जो रात भर रोता रहता है?

5) शोधकर्त्ताओं ने हाल ही में किस टाइगर रिजर्व में एक नई पौधे की प्रजाति की खोज की है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) 7 (2) दयानंदसरस्वती (3.वल.भारावती तथा दयानंदसरस्वती कृष्ण अय्यर (3) तीतर (4) उल्लू (5) कलाकड़ ड्रीडलीयरीड (इंडोनिल कलेप्युसानिल)

आज का राशिफल

ज्योतिषाचार्य वास्तुविशेषज्ञ डॉक्टर देवव्रत गुरुजी

मेषः आज दिन के आरम्भ से ही स्वास्थ्य में कुछ ना कुछ विकार लगा रहेगा। लापरवाही से बचें अन्यथा कोई नई समस्या खड़ी हो सकती है।

वृष : आज का दिन आपके लिए विजय दिलाने वाला रहेगा। पेट संबंधित व्याधि अन्य रोगों को बढ़ावा दे सकती है खाने पीने में संतुलन रखें।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए वृद्धि कर हो सकता है। बीते दिन की तुलना में आज स्वभाव में जल्दबाजी नहीं रहेगी।

कर्क : आज का दिन मध्यान तक व्यर्थ में खराब होगा। जिस काम को करने की सोचेंगे उसकी जगह कोई नया काम सर आने से दुविधा होगी ।

सिंह : आज का दिन भी आपके लिए प्रतिकूल फल देने वाला रहेगा घर एवं कार्यक्षेत्र दोनों जगह नापसंद कार्य होने से क्रोध आएगा।

कन्या : आज का दिन आपके लिए शुभ फल दायक है। दिन के आरंभ में मिजाज हल्का रहने से घर का वातावरण भी हास्यास्पद बनाएंगे।

तुला : आज के दिन परिस्थितियां कल जैसी सुविधाजनक नहीं फिर भी संतोषजनक अवश्य रहेगी।

वृश्चिक : आज का दिन आपको मंगल कार्यो की तरफ खींचेगा। घर अथवा बाहर धार्मिक अथवा पारिवारिक कार्यक्रम में जाने के अवसर मिलेंगे।

धनु : आज का दिन आपके लिए हानिकारक है। किसी भी कार्य में लाभ हानि का विचार करने के बाद निर्णय ले जल्दबाजी में जो भी कार्य करेंगे उसमें नुकसान ही होगा।

मकर : आज के दिन सार्वजनिक क्षेत्र पर लाभ के नए संपर्क जुड़ेंगे जिनकी आशा भी आपको नहीं रहेगी उन लोगों से सम्मान मिलेगा।

कुंभः आज का दिन आपके लिए कार्य सफलता वाला रहेगा दिन के पहले भाग में जो भी योजना बनाएंगे। दूर रहने वाले जानकार से शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

मीन : आज का दिन आपके लिए भाग्यवर्धक रहेगा लेकिन इसके लिए लापरवाही से बचना होगा।

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खाल चाम, नाटक फिल्म आदि का मुख्य पात्र 9. कामी, व्यभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. उत्पटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम। 16. गौ का बहुवचन 17. दरवाजे दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नामी, सीढ़, मुहर, छप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरसा 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खैरि की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

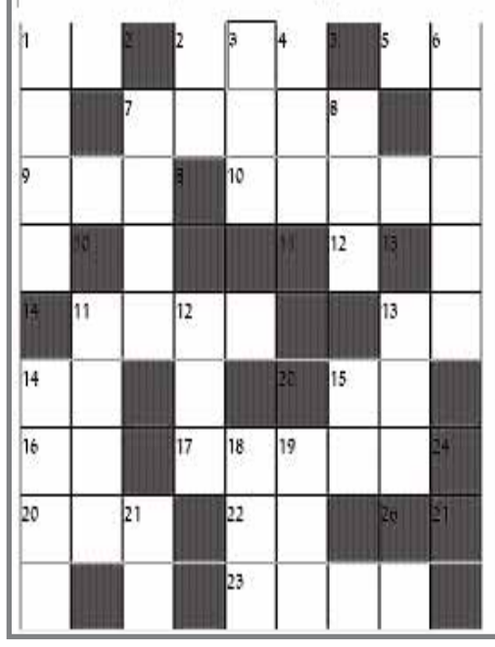

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 285 का हल

ग	ल	त	ऊ			खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त	ण्ड	रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
ण्ड	नी	र		बि	रा	ज	मा	न
ना	च		ण्ड	प	ण्ड		य	
म	र	णा	स	न्न		पा	नी	ण्ड
ची	ण्ड		प		पा		ण्ड	भो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

न्यूज गैलरी

अकुशल श्रमिक राम प्रसाद को उपस्थित होने की अंतिम चेतावनी

नारायणपुर/नवप्रदेश। रेशम विभाग के सहायक संचालक ने जानकारी दी है कि अकुशल श्रमिक श्री राम प्रसाद ने 01 जनवरी 2017 से लगातार बिना किसी सूचना या स्वीकृति के अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित हैं। मुख्यालय एवं कार्यालय द्वारा कई बार नोटिस दिए जाने के बावजूद आज तक अपने कार्य पर उपस्थित नहीं हुए हैं। यह अंतिम सूचना दी जाती है कि वे 7 दिवस के भीतर कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी अनुपस्थिति का ठोस कारण प्रस्तुत करें। ऐसा न करने पर उनकी सेवा समाप्ति की कार्यवाही किया जाएगा।

कोण्डागांव के 12 बाबुओं को मिला नया साल का तोहफा

कोण्डागांव/नवप्रदेश। जिला के कलेक्टर कार्यालय ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा (पदोन्नति) नियम 2003 के तहत विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर 12 सहायक ग्रेड-03 कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ प्रदान किया है। इन कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-02 के पद पर वेतनमान 5200-20200 + ग्रेड पे 2400 में पदोन्नत किया गया है। कलेक्टर कार्यालय से जारी आदेश अनुसार, पदोन्नति प्राप्त कर्मचारियों को उनके कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन कर्मचारियों का नवीन पदस्थापन विभिन्न तहसील कार्यालयों में किया गया है।

आज जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन

कोंडागांव/नवप्रदेश। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन आज प्रातः 10.00 बजे से बडेकनेरा रोड स्थित ऑडिटोरियम कोण्डागांव में किया जा रहा है। जिला युवा उत्सव में सामूहिक लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, व्यक्तिगत लोकनृत्य, व्यक्तिगत लोकगीत, कहानी लेखन, चित्रकला, तात्कालिक भाषण, कविता पाठ विधा का आयोजन होगा, इसके अलावा हस्तशिल्प एवं हथकरघा तथा कृषि उत्पाद का भी प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें भाग लेने वाले कलाकारों, विकासखण्ड स्तरीय आयोजन के विजेता कलाकार होंगे।

मालाकोट में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया

कोंडागांव/नवप्रदेश। लोक-संस्कृति को संजोए रखने के लिए युवाओं के द्वारा ग्राम मालाकोट में लोक कला मंच 'हमर सोन चिरईया' रिकार्डिंग डांस परिवार ग्रुप के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।।इस अवसर पर कलाकारों ने आदिवासी नृत्य,सुवा नृत्य,भक्तिमय लोक गीतों,शिक्षाप्रद नाटक और पारंपरिक नृत्य के द्वारा कार्यक्रम में चार चांद लगाए तो वंही छत्तीसगढ़िया,बस्तरिया लोकनृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।लोक कला मंच के अध्यक्ष खीरचंद दीवान ने जानकारी देते हुए कहा कि आधुनिकता के चकाचौंध में लोग पारंपरिक नृत्य और कला को भूलते जा रहे हैं।

51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का समापन

गायत्री परिवार से जुड़ने कई लोगों ने दीक्षा ली, कुछ लोग माता गायत्री को साक्षी मानकर और गायत्री परिवार के बीच शादी भी की

अंतागढ़/नवप्रदेश। 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन अंतागढ़ के उन्मुक्त खेल मैदान में 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक चला जिसमें तीसरा दिन सामाजिक समरसता सम्मेलन बस्तर के सामाजिक सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक के संदर्भ कार्यक्रम रखा गया था जहां बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग विधायक अंतागढ़ विक्रम उसेंडी केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम अंतागढ़ के पूर्व विधायक अनूप नाग पूर्व सांसद कांकेर लोकसभा मोहन मंडावी नगर पंचायत अध्यक्ष राधेलाल नाग उपाध्यक्ष अमल नरवास सहित अन्य विशिष्ठ अतिथि गण शामिल रहे सबसे पहले माता गायत्री गुरुदेव गुरुमाता के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर तिलक वदन करते कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया उसके बाद

सभी अतिथियो द्वारा बस्तर के सामाजिक सांस्कृतिक के बारे में बताया गया वही अंतागढ़ में हो रहे 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम होने से हमारे आसपास का वातावरण शुद्ध हो जाता है गायत्री माता का आशीर्वाद बना रहता है और हमारे जीवन में भी इसका एक अच्छा प्रभाव होता हैं महायज्ञ वास्तव में गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा जैसे पुनीत कर्म से नगर स्वर्ग बनेगा तथा लोगो में देवत्व का संचार होगा ऐसे कार्यक्रम होते रहना चाहिए उद्बोधन पश्चात सभी को स्मृति चिन्ह और आभार व्यक्त किया है वही रात्रि में भजन का कार्यक्रम हुआ जिसमें भजनों को श्रवण करते श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गए और भजनों पर झूमते नजर आए वहीं 1 जनवरी को 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का समापन हुआ सुबह से महायज्ञ हवन का कार्यक्रम हुआ जिसमें नगरवासी और अंतागढ़ गायत्री परिवार शामिल होकर पूर्णाहुति दी तत्पश्चात गायत्री परिवार से जुड़ने कई लोगों ने दीक्षा ली वही कुछ लोग माता गायत्री को साक्षी मानकर और गायत्री परिवार के बीच शादी भी की उसके बाद कई लोग मुंडन भी कराए । और फिर रात्रि करीब 10 बजे भजनों का

कई लोगों के आंसू भर आए

गौरतलब हैं कि 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा अंतागढ़ के पवनधरा पर हुआ जहा कार्यक्रम को लेकर एक माह से तैयारी चल रही थी मैदान में शिवलिंग एवं नंदी बाबा तथा सप्तऋषियों का झांकी सजाया गया था जो लोगों का आकर्षण का केंद्र रहा मानो साक्षात् भगवान शिव माता गायत्री और ऋषि जन अंतागढ़ में विराजमान है चार दिनों तक लोगों की भीड़ देखने को मिलता था लेकिन जब यह महायज्ञ की समाप्ति हुआ उसके पांचवे दिन जब गायत्री परिवार के सदस्य कार्यक्रम की समाप्ति पश्चात पंडाल और अन्य जब निकाल रहे थे तो सभी की आंखों से आंसु निकल आए।

35 वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का हुआ शुभारंभ

विधायक ने हरी झंडी दिखाकर यातायात जागरूकता रथ का किया रवाना

- सड़क पर चलते समय सतर्क रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है- विधायक अटामी

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाना परिसर से आज 35 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत क्षेत्र के विधायक चैतराम अटामी ने यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ज्ञात हो कि यह जागरूकता रथ 01 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक जिले के सभी जगहों व्यापक रूप यातायात नियमों को फोकस करते हुए प्रचार-प्रसार करेगें। इस मौके पर अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह स्वयं के साथ-साथ दूसरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है। सड़क पर चलते समय सर्तक रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इसके साथ ही सड़क पर दोनों किनारों की ओर ध्यान देवें और जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करें, मोबाइल फोन का उपयोग करते समय सड़क पार बिल्कुल भी न करें। इसके अलावा यदि वाहन चला रहें है तो गति सीमा का पालन करें और संकेतों का ध्यान रखें। हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से

करें। उन्होंने आगे कहा कि विशेषतौर पर ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सड़क पर मवेशियों की उपस्थिति से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। खासकर सुबह के समय जब दुष्यंत कम होती है और लोग जल्दबाजी में होते है। इन सभी समस्याओं का समाधान सामूहिक प्रयासों और प्रशासनिक सहयोग से ही संभव है। इसके साथ ही उन्होंने 35 वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के सुचारू संचालन के लिए सभी को बधाई एवं नव वर्ष की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने सर्वप्रथम समस्त यातायात स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी चाहे धूप हो,बरसात हो,या ठंडी का मौसम, हर परिस्थिति में अपनी ड्यूटी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाते रहे है। यह न केवल हमारे समाज को सुरक्षित बनाने में मदद करता बल्कि आपकी मेहनत और सेवा भावना से अन्य लोग भी प्रेरणा लेते है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मीडिया माध्यम सबसे प्रभावी विकल्प है। इसके जरिये से हम अधिक से अधिक लोगों तक अपनी बात पहुंचा सकते है। इसके अलावा सड़क यातायात करते हुए किसी भी नागरिक को सड़क मार्ग पर स्ट्रीट लाइट का आवश्यकता महसूस होती अथवा सड़क मार्ग की वजह से किसी दुर्घटना का अंदेशा हो तो तुरंत यातायात विभाग को सूचित करें।

सड़क सुरक्षा माह के दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव राय 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में कमी को एक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि 2025 में भी सड़क दुर्घटनाओं को शून्य करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने हेलमेट के उपयोग को प्रोत्साहित करने के अपने अनूठा प्रयास का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके तहत बिना हेलमेट वाले चालकों से जुर्माना वसूल कर उन्ही के

> दुर्घटनाओं को शून्य करने का लक्ष्य रखा गया
>
> सड़क सुरक्षा माह के दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव राय 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में कमी को एक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि 2025 में भी सड़क दुर्घटनाओं को शून्य करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने हेलमेट के उपयोग को प्रोत्साहित करने के अपने अनूठा प्रयास का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके तहत बिना हेलमेट वाले चालकों से जुर्माना वसूल कर उन्ही के लिए हेलमेट खरीदने की पहल के अच्छे परिणाम निकले है।

लिए हेलमेट खरीदने की पहल के अच्छे परिणाम निकले है। यह न केवल सड़क सुरक्षा बढ़ाने का प्रयास है बल्कि लोगों को जागरूक करने का एक अनूठा तरीका भी है। इस प्रकार की योजनाएं न केवल दुर्घटनाओं को कम करती है बल्कि यातायात नियमों के प्रति नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करती है।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष मती सुनीता भास्कर, जिला

क्षमता से तीन गुना से अधिक धान का स्टॉक

धान खरीदी प्रक्रिया में ओवर लिमिट बावजूद जारी है खरीदी

कोण्डागांव/नवप्रदेश। जिले के 67 धान खरीदी केंद्रों में अव्यवस्थाओं के बीच किसानों से धान खरीदी प्रक्रिया जारी है। 1 जनवरी को छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ के निर्णय पर सुबह से सभी केंद्रों में धान खरीदी बंद रही, लेकिन प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद शाम तक 11 केंद्रों पर खरीदी शुरू की गई। वहीं, 2 जनवरी को बफर लिमिट ओवर होने के बावजूद सभी 67 केंद्रों पर धान खरीदी प्रक्रिया संचालित की गई। धान खरीदी केंद्रों के प्रभारी और समितियों के अनुसार, वर्तमान में अधिकांश केंद्रों में निर्धारित क्षमता से तीन गुना से अधिक धान का स्टॉक भरा हुआ है। इस कारण कई समस्याएं सामने आ रही हैं। इनके अनुसार, केंद्रों में धान रखने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है। किसानों के वाहनों की भीड़ और उठाव के लिए आने वाले बड़े ट्रकों के कारण यातायात व्यवस्था चरमरा रही है। किसानों की संख्या अधिक होने से मजदूरों की कमी के कारण खरीदी प्रक्रिया धीमी गति से चल रही है। जिले के सभी 67 केंद्रों पर 2 जनवरी को कुल 1499 किसानों के लिए 94,201 क्विंटल धान खरीदी के लिए टोकन जारी किए गए। इसके बावजूद, केंद्रों की अव्यवस्था और धीमी प्रक्रिया के चलते किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बफर लिमिट पार होने और व्यवस्थागत दिक्कतों के बावजूद खरीदी प्रक्रिया जारी रखने से प्रशासन के प्रबंधन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। केंद्र प्रभारियों का कहना है कि जल्द से जल्द उठाव प्रक्रिया तेज की जाए, अन्यथा किसानों और समितियों की परेशानी और बढ़ सकती है।

धान खरीदी की मौजूदा स्थिति ने

नव वर्ष पर संवेदनशील ग्राम पोटाली को मिली नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सौगात

- विधायक चैतराम अटामी ने किया शुभारंभ
- ग्राम पोटाली के साथ-साथ नहाड़ी और मुलेर के ग्रामीण को मिलेगी नजदीकी स्वास्थ्य सुविधा

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। जिले के वनांचल स्थित ग्रामों में स्वास्थ्य सुविधाओं के निर्बाध संचालन के लिए प्रतिबद्ध जिला प्रशासन के सफल प्रयासों की कड़ी में आज ब्लाक कुआकोंडा के संवेदनशील ग्राम पोटाली में निर्मित नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केन्द्र) का नाम भी जुड़ गया है। जो निःसंदेह इन बीहड़ वनों में निवासरत ग्रामीणों के लिए अत्यंत राहत का सबब है। यह राज्य शासन की उस मंषा को पूर्ण करने का सुखद सोपान है, जो हाषिये में खड़े समुदायों की स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर पहुंच की पूर्ण गांरटी देती है। आज इस नवनिर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केन्द्र) शुभारंभ अवसर पर यहां पहुंचे क्षेत्र के विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि ग्राम पोटाली में प्रारंभ होने वाले उप स्वास्थ्य केन्द्र के बनने से ना केवल ग्राम पोटाली के ग्रामीण बल्कि ग्राम नहाड़ी और मुलेर ग्रामों के ग्रामीण भी चिकित्सा सुविधा से लाभान्वित होगें। उन्होंने कहा कि इस स्वास्थ्य केन्द्र को आने वाले समय अन्य आधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। ताकि स्थानीय लोगों का अपने घर के नजदीक ही उपचार संभव हो सके। इस मौके पर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कहा कि इस दूरस्थ ग्राम में उप स्वास्थ्य केन्द्र प्रारंभ होना एक बड़ी उपलब्धि है। अब यहां के स्थानीय निवासियों को तुरंत उपचार के लिए दूर स्वास्थ्य केन्द्रों में नहीं जाना पड़ेगा। उप स्वास्थ्य केंद्र में सभी नियमित प्राथमिक स्वास्थ्य जांच,मौसमी बीमारी के उपचार, दवाइयों की उपलब्धता, पर्याप्त चिकित्सा स्टाफ की सुनिश्चितता के साथ-साथ सभी प्रकार के चिकित्सा टेस्ट कराने के अलावा गंभीर मरीजों को आगे जिला चिकित्सालय रिफर करने के सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस दौरान जनप्रतिनिधि सहित पुलिस अधीक्षक गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, एडिशनल एसपी स्मृतिक राजनाला एवं अन्य ग्रामीण जन भी मौजूद थे।

ग्राम पोटाली में नए उप स्वास्थ्य के प्रारंभ होने के पीछे की कठिनाइयों भरी पृष्ठभूमि

कुल मिलाकर पूर्व माओवाद ग्रस्त संवेदनशील ग्राम पोटाली में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केन्द्र) का प्रारंभ होना इतना भी आसान नहीं था। कभी माओवाद का खौफ तो भौगोलिक परिस्थिति इस स्वास्थ्य केन्द्र के प्रारंभ होने में हमेशा रोड़ा बनती रही है। पूर्व वर्षो की बात करें तो 2004-05 में एसएचसी पोटाली का निर्माण 2004-05 में एनएमडीसी द्वारा किया गया था, लेकिन चल रहे सलवा जुडूम और नक्सलियों के भारी प्रतिरोध के कारण, इमारत का उपयोग नहीं किया जा रहा था। एसएचसी पोटाली से स्वास्थ्य सेवाएं किकरी पारा में स्थित 2 कमरे की इमारत से प्रदान की जा रही थी। जो पोटाली गांव से लगभग 10 किमी दूर है। इसके अलावा, निकटतम स्वास्थ्य सुविधा 7 किमी (एएएम एसएचसीअरनपुर) और 18 किमी (समेली में स्थित पीएचसी पोटाली) था। इन वर्षो में क्षेत्र में सक्रिय असामाजिक तत्वों ने इस स्वास्थ्य केंद्र की दीवार पर संदेश लिखकर इस भवन का उपयोग नहीं करने की धमकी भी दी थी।

तत्पश्चात स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को विश्वास में लेकर वित्त वर्ष 2021-22 में एसएचसी पोटाली को एचडब्ल्यूसी उन्नयन के तहत लिया गया था।

जिला स्वास्थ्य टीम जिसमें जिला आरएमएनसीएचए सलाहकार, जिला

स्वच्छ परिसर-स्वस्थ जीवन' अभियान के तहत छात्रावासों को स्वच्छ व सुंदर बनाने कलेक्टर ने दिये निर्देश

कोण्डागांव/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने आदिवासी विकास विभाग की योजनाओं और प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन्होंने विभागीय योजनाओं के अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षकों को विशेष रूप से कन्या छात्रावासों में सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने छात्रावासों को स्वच्छ, सुंदर और छात्रों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही नियमित योग और स्वास्थ्य परीक्षण के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार आदिवासी विकास विभाग द्वारा जिले के सभी छात्रावासों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए स्वच्छ परिसर-स्वस्थ जीवन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्वच्छता गतिविधि में ग्रामीणों की सहभागिता से श्रमदान कर स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मलेरिया मुक्त छात्रावास के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा डीडीटी का छिड़काव, खिड़कियों पर जाली लगवाने और बेड पर मच्छरदानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

चंदन गुप्ता हत्याकांड...

बबलू और सलमान को राष्ट्रध्वज अपमान निवारण अधिनियम की धारा-2 और आयुध अधिनियम की धारा 2/25 जबकि अभियुक्त सलीम को आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के अंतर्गत भी दोषी करार दिया गया है। दोषी पाए गए आरोपी सलीम के अदालत में पेश नहीं होने पर उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी किया गया है।

ये है पूरा मामला, तिरंगा यात्रा का किया था आयोजन

कासगंज में विश्व हिंदू परिषद, एबीवीपी और हिंदू वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने 26 जनवरी 2018 को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया था, जिसमें मोटर साइकिलों पर सवार 100 से अधिक लोगों ने तिरंगा लेकर यात्रा निकाली थी। यात्रा कोतवाली इलाके के बड्डूनगर पहुंची, जहां गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम चल रहा था। तिरंगा यात्रा को आगे नहीं बढने देने से दो पक्षों के बीच तनातनी शुरू हो गई, जिसके बाद पथराव होने लगा। चंद मिनटों बाद ही दंगा भड़क गया, जिसमें चली एक गोली चंदन गुप्ता की मौत हो गई। इसके बाद पूरा शहर दंगे की चपेट में आ गया। हालात काबू में नहीं आने पर प्रशासन को इंटरनेट सेवाएं बंद करनी पड़ी थी।

लखमा और उनके बेटे हरीश से ईडी...

कवासी ने कहा कि विधानसभा में मैंने बस्तर का आवाज उठाई, इस वजह से इस तरह की कार्रवाई हो रही है। लगातार चुनाव जीत रहा हूं। बीजेपी न तो जिला पंचायत जीत पाई, और न ही नगर पंचायत। इसी वजह से मुझे दबाया जा रहा है। वहीं कवासी हरीश ने कहा कि मेरे पास से कुछ नहीं मिला। सभी को पता है छापा क्यों पड़ा, मैं बाद में अपनी बात कहूंगा।

जय जवान-जय किसान-जय

बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस को बाल प्रतिभाओं के विकास का बेहतरीन मंच बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन जिले के डोंगला में स्थापित वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला में हुए नवीनीकरण कार्य एवं नए उपकरणों के साथ ऑटोमेशन कार्य का वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने वीर भारत न्यास के रिसर्च जर्नल %युगयुगीन भारत का पुरोवाक% का विमोचन किया, साथ ही वीर भारत न्यास द्वारा बनाई गई महादेव फिल्म सीरीज का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जितेन्द्र सिंह का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। वीडियो संदेश में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में आए बच्चों को श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने की प्रेरणा देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विज्ञान और संस्कृति का यह समन्वय भारत को एक बार फिर से वैश्विक मंच पर सबसे आगे लाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने बच्चों और शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत का भविष्य आप सबके हाथों में है। विज्ञान, संस्कृति और परंपरा का संतुलन ही हमारे विकास का आधार है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में 6 खा?ी देशों और भारत के विभिन्न राज्यों से आये 700 बच्चों और शिक्षकों की भागीदारी ने इसे विशेष और ऐतिहासिक बना दिया है। यह आयोजन नई पी?ी को विज्ञान और नवाचार के प्रति प्रेरित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रीनविच समय की अवधारणा को पुन- परिभाषित करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने समय और खगोलीय पिण्डों की परिक्रमा का अध्ययन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया था, जिसे आज के परिप्रेक्ष्य में पुन- परिभाषित करने की आवश्यकता है। रात के बारह बजे दिन की शुरूआत किसी भी दृष्टिकोण से वैज्ञानिक नहीं लगती। उन्होंने बाल वैज्ञानिकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हर हाथ को काम, हर खेत को पानी के साथ अब हर युवा को अनुसंधान के अवसर देने का संकल्प लिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डोंगला वेधशाला के ऑटोमेशन के शुभारंभ पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल छात्रों और शोधकर्ताओं के लिये खगोलीय रहस्यों को बेहतर तरीके से समझने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि भारत का खगोल विज्ञान प्राचीन काल से उन्नत थे। उन्होंने कहा कि नवग्रह की पूजा, ज्योतिष और खगोलीय घटनाओं का अध्ययन हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

पीथमपुर में पुलिस पर पथराव

फैलाने से आज भी बाज नहीं आ रहे हैं।

जीतू पटवारी ने कहा- पीथमपुर में लोग दहशत में

इधर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि आनन-फानन में कचरे को वहां डंप किया गया। पीथमपुर, इंदौर, धार, बेटमा में दहशत है। लोग सरकार को जगाने के लिए खुद को आग लगा रहे हैं। मैं फिर से मांग करता हूं कि इस कचरे का जब तक कोई तकनीकि और वैज्ञानिक आधार पर सत्यापन नहीं होता, तब तक इसे रोकना चाहिए। बुधवार रात को भोपाल के यूनियन कार्बाइड से करीब 337 मीट्रिक टन जहरीला कचरा 10 कंटेनर में भरकर पीथमपुर भेजा गया था। जिसे रामकी एनवायरो इंडस्ट्रीज में जलाया जाना है। कचरे को यहां नष्ट करने का विरोध कर रहे लोगों ने रामकी एनवायरो इंडस्ट्रीज जाने की कोशिश की, पुलिस ने बैरिकेडिंग करके उन्हें रोक लिया है।पुलिस और प्रशासन प्रदर्शनकारियों को समझाने में जुटा है। कहा जा रहा है कि वैज्ञानिक तरीके से सर्वे और कोर्ट के दिशा निर्देश पर ही कचरा निष्पादन के लिए यहां लाया गया है। इसमें कोई खतरा नहीं है। फिलहाल लोगों का प्रदर्शन जारी है।

बाबा साहेब सेवा संस्था ने खरसावां गोली काण्ड को शौर्य दिवस के रूप में मनाया

कोंडागांव/नवप्रदेश। अंबेडकर चौक कोर्ट के सामने बाबा साहेब सेवा संस्था कार्यालय में भीमा कोरेगांव स्तंभ सरगांव गोली कांड का स्तंभ की छायाचित्र पर दीप प्रजलित कर कार्यालय पर श्रद्धांजलि व शौर्य दिवस हर उल्लास के साथ मनाया

इस अवसर पर संस्था के संरक्षक प्रमोद भारती, अध्यक्ष मुकेश मारकंडेय, रमेश पोयाम, ओमप्रकाश नाग, वीरेंद्र नेताम, नरसिंह देव मंडावी,वरैन्या रुद्रवेन मंडावी,देवानंद चौरे, मुकेश नरेटी, वह संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे। 1 जनवरी 1818 को लड़े गए भीमा कोरेगांव के युद्ध को भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जाता है। इस युद्ध में महार समुदाय के सैनिकों ने पेशवा बाजीराव द्वितीय की विशाल सेना को पराजित किया था। यह युद्ध दलित समुदाय के लिए गौरव का प्रतीक है और इसे शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस युद्ध ने भारतीय समाज में सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत की और दलितों के आत्मसम्मान को बढ़ावा दिया। भीमा कोरेगांव का युद्ध भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिसने दलित समुदाय को सशक्त बनाया।

राज्यपाल रमेन डेका से मिले कुलपति, जनप्रतिधि और पद्मश्री बारले ने दी नववर्ष की शुभकामनाएं

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका से शुक्रवार को राजभवन में पद्मश्री उषा बारले ने भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अमरदास बारले उपस्थित थे। वहीं विधायकद्वय अजय चंद्राकर और विधायक धरमलाल कौशिक ने सौजन्य भेंट की। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल एवं दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनू विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. आर.आर.बी. सिंग ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालयों की गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर राज्यपाल डेका ने कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कैलेण्डर कृषि पंचाग-2025 का विमोचन किया। साथ ही राजभवन में नवजीवन सेवा समिति, बिलासपुर के संस्थापक सदस्य सुरेश हंटर ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। डेका ने भी उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राजेश मसीह उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज करेंगे पदयात्रा

रायपुर/नवप्रदेश। 4 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज बस्तर में एक दिवसीय पदयात्रा करेंगे। एनएमडीसी नगर नार के विनिवेशीकरण का विरोध, एनएमडीसी का मुख्यालय बस्तर लगाने की मांग, सीएसआर मद का पैसा स्थानीय युवाओं को रोजगार देने तथा बस्तर के खूटपदर में सुपरस्पेशलिस्ट अस्पताल के प्रोजेक्ट रद्द करने के खिलाफ पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज 4 जनवरी को खूटपदर से बस्तर तक एक दिन की पदयात्रा करेंगे। नगरनार संयंत्र की स्थापना के समय संयंत्र के लिये प्रभावित गांव खूटपदर गांव में एनएमडीसी द्वारा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाने का वादा किया था, भाजपा सरकार इस अस्पताल को बनने से रोकने का षड़यंत्र कर रही है। बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक में पारित 22 एकड़ जमीन खूंटपदर में जमीन आबंटित की गई थी जिस पर एनएमडीसी की साफ प्रतिक्रिया आई है कि अब हम अस्पताल नहीं बनाएंगे एनएमडीसी ने वादा किया था कि अस्पताल हम बनायेंगे किंतु भारतीय जनता पार्टी की सरकार उस प्रोजेक्ट पर पूर्णतः ग्रहण लगा चुकी है कुल मिलाकर यह सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीर नहीं है,लगातार जनता की आवाज को अनसुना किया जा रहा है यह लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है।

पॉवर कंपनीज के कार्यपालक निदेशक जे.एस नेताम की विदाई

रायपुर/नवप्रदेश। पॉवर कंपनीज के रायपुर शहर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक जे.एस नेताम को स्थानांतरण उपरान्त विदाई दी गई। नेताम ने जामुलकर को रायपुर शहर क्षेत्र का पदभार सौंपा। इसी के साथ नवपदस्थ मुख्य अभियंता एम.जामुलकर ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ का आदान प्रदान कर परस्पर अभिनंदन किया और शुभकामनाएं दीं। जामुलकर ने कंपनी द्वारा सौंपे गये इस दायित्व के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि नये वर्ष मे प्रवेश के साथ नई जिम्मेदारी को निष्ठा के साथ पूर्ण करेंगे। रायपुर शहर क्षेत्र की विद्युत विकास की गति को आगे बढ़ाने में टीम के साथ सतत् प्रयासरत रहेंगे। नये साल में अब रायपुर शहर क्षेत्र की कमान एम .जामुलकर संभालेंगे। उन्हें दुर्ग क्षेत्र से स्थानांतरित कर रायपुर शहर क्षेत्र का कार्यभार सौंपा गया है।

छत्तीसगढ़ में शौण्डिक समाज का दोदिवसीय भव्य सम्मेलन

राष्ट्रीय सम्मेलन और सम्मान समारोह का आयोजन, समाज की एकता और विकास पर होगा मंथन

मुख्यमंत्री सहित कई गणमान्य लोग होंगे शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 11 और 12 जनवरी 2025 को 2 दिवसीय अखिल भारतीय शौण्डिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय शौण्डिक संघ के तत्वावधान में विधानसभा रोड स्थित लोटस रिसॉर्ट में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा।

आपको बता दें कि, कुछ दिन पहले प्रदेश अध्यक्ष श्री शिवरतन प्रसाद गुप्ता, प्रदेश संयोजक श्री श्याम किशोर गुप्ता, प्रमुख सलाहकार श्री ओम प्रकाश गुप्ता और श्री सुरेश प्रसाद गुप्ता सहित शौण्डिक समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री ने इस आमंत्रण को स्वीकार करते हुए

सम्मेलन की सफलता की कामना की थी।शौण्डिक समाज का यह सम्मेलन समाज की एकता, समृद्धि और योगदान पर केंद्रित होगा। कार्यक्रम में समाज के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा पड़ोसी देश नेपाल, मॉरिषस से भी सजातीय बंधु भाग लेने आ रहे है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में 11 जनवरी को सुबह 11 बजे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि होंगे। अध्यक्षता अखिल भारतीय शौण्डिक संघ के सभापति प्रो. राम अवतार महतो करेंगे। अति विशिष्ट अतिथियों में डॉ. पूर्णेदु सक्सेना, क्षेत्र संघचालक (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) और मंत्री श्री रामविचार नेताम एवं रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल शामिल होंगे।

दूसरे दिन परिचर्चा और चिंतन

12 जनवरी को समाज की एकता, सामाजिक उत्तरदायित्व, युवाओं का भविष्य, और वैवाहिक परंपराओं पर चर्चा के लिए परिचर्चा और चिंतन सत्र का आयोजन होगा। यह सत्र समाज के विकास और सहयोग को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित रहेगा। रजिस्ट्रेशन एवं सहभागिता का आह्वान, आयोजकों ने सभी समाज बंधुओं से इस महत्वपूर्ण आयोजन में पंजीकरण कर भाग लेने की अपील की है।

तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला सात को

रायपुर प्रेस क्लब और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रायपुर का संयुक्त आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है। शारीरिक स्वास्थ्य का तो हम ध्यान रख लेते हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बहुत कम जागरूक हैं। छोटी-छोटी बातों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, उदासी लोगों पर हावी हो रही है। काम का तनाव और दबाव झेलने की क्षमता लोगों में कम हो रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए रायपुर प्रेस क्लब और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रायपुर की ओर से तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रेस क्लब, मोतीबाग में 7 जनवरी 2025 को किया जा रहा है। इस बेहद महत्वपूर्ण कार्यशाला में भाग लेने के लिए इच्छुक सदस्य 4 जनवरी 2025 तक प्रेस क्लब कार्यालय में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। कार्यशाला में बेहतर जीवन शैली, स्वास्थ्य जागरूकता और तनाव को कैसे से हैंडल करना है, इसका प्रशिक्षण बेंगलुरू से आए विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा। प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर, महासचिव डॉ. वैभव शिव पांडेय, उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई और संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी, अरविंद सोनवानी ने इच्छुक सदस्यों से इस महत्वपूर्ण और जरूरी कार्यशाला में भाग लेने की अपील की है।

अनियमितता पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी निलंबित

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन ने दल्लीराजहरा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री भूपेन्द्र वार्डेकर को निलंबित कर दिया है। कोंडागांव नगर पालिका में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी की पदस्थापना के दौरान अध्यक्ष कक्ष के रिनोवेशन कार्य एवं फर्नीचर खरीदी में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर गंभीर कदाचार मानते हुए राज्य शासन ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

विस अध्यक्ष डा. रमन सिंह से महाराष्ट्र मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने की नववर्ष पर भेंट

मराठी कैलेंडर सौंपकर अजय काले ने दिया पिछले साल की गतिविधियों का ब्यौरा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह से महाराष्ट्र मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने उनके निवास पर मुलाकात कर उन्हें नववर्ष की बधाई व शुभकामनाएं दीं। साथ ही मंडल के वर्ष 2025 का कैलेंडर भेंट किया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने डा. रमन को कैलेंडर के एक- एक पन्ने पलटकर उस पर प्रकाशित सेवाभावी कार्यों, प्रकल्पों और गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। काले ने सर्व समाज को एकत्रित करने के लिए महाराष्ट्र मंडल की छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के प्रस्ताव

की एक बार फिर डा. सिंह को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी समाजों और संगठनों को एकत्रित करने की दिशा में महाराष्ट्र मंडल का प्रस्ताव दो वर्षों से शासन- प्रशासन के पास लंबित है। काले ने डा. सिंह से कहा कि इस प्रस्ताव को दोबारा गति देकर अमलीजामा पहनाने की जरूरत है और इसमें आपके मार्गदर्शन व सहयोग की जरूरत है।

विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन ने महाराष्ट्र मंडल के प्रतिनिधि मंडल को नववर्ष और कैलेंडर के प्रकाशन की बधाई देते हुए कहा कि महाराष्ट्र मंडल सामाजिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहा है। निःसंदेह छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन प्रदेश के हर व्यक्ति को समाज से जोड़ने और जरूरतमंद लोगों की सेवा करने में कारगर साबित होगा।

इस अवसर पर मंडल के मुख्य

पूर्व सीएम भूपेश ने किया शिक्षकों की मांगों का समर्थन

रायपुर/नवप्रदेश। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि नये साल के पहले दिन भाजपा सरकार ने युवाओं के ऊपर अत्याचार किया है। 2897 शिक्षकों को बर्खास्त किया गया, सरकार इनकी बहाली बारे में कोई निर्णय नहीं ले रही है। पूरे प्रदेश में साय सरकार अकेली ऐसी सरकार है जिसने 2897 नियमित कर्मचारियों को पदमुक्त कर दिया। आज तक देश का किसी भी राज्य सरकार ने इतनी बड़ी संख्या में एक साथ अपने कर्मचारियों को बर्खास्त नहीं किया है। यह कोई ठेका या संविदा कर्मचारी नहीं है। इन शिक्षकों को सरकार ने भर्ती निकाल कर प्रक्रिया पूरी करने बाद नियुक्ति दिया था। अब अदालत के बाद गतिरोध आ रहा है तो सरकार इस मामले का समाधान निकाल डीएड प्रशिक्षित शिक्षकों के लिये

अलग भर्ती निकाले तथा इन पहले से नियुक्ति पा चुके 2897 शिक्षकों की सेवा आगे सुनिश्चित रखने की व्यवस्था करें।

इन शिक्षकों की भर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान ही हुआ था ऐसा नहीं है भाजपा सरकार बनने के बाद भी तीसरी और चौथी काउंसलिंग 9 फरवरी 2024 तथा 7 मार्च 2024 को हुई थी तथा इनकी नियुक्तियां हुई थी। अधिसंख्यक शिक्षक बस्तर और सरगुजा संभाग के है तथा दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थ है। 2897 में से 70 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते है। सरकार के पास शिक्षा विभाग में ही अनेकों ऐसे पद है जहां समान वेतनमान पर इन 2897 शिक्षकों की नियुक्ति की जा सकती है। प्रयोगशाला सहायक, उच्च श्रेणी शिक्षकों के रूप में इनकी नियुक्तियां की जा सकती है। बीएड सहायक शिक्षकों के समायोजन का कोई प्रयास भाजपा सरकार ने नहीं किया। सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने समायोजन का प्रस्ताव मांगा लेकिन युवा विरोधी यह सरकार खामोश रही।

जानबूझकर षड़यंत्रपूर्वक

आयोजन | रायपुर पहुंचे देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार उत्तराखंड के कुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या

गायत्री परिवार जिलों में आयोजित करेगा 108 कुण्डीय महायज्ञ

रायपुर/नवप्रदेश। अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के युग परिवर्तन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गायत्री-तीर्थ, शांतिकुज हरिद्वार से युवा प्रतिनिधि एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार उत्तराखंड के प्रति कुलपतिडॉ. चिन्मय पण्ड्या 3 जनवरी को प्रातः 8:30 बजे प्रदेश की राजधानी रायपुर पहुंचे।

गायत्री परिवार रायपुर के मीडिया प्रभारी प्रज्ञा प्रकाश निगम ने बताया कि वे 3 से 6 जनवरी तक प्रदेश के विभिन्न जिलों- जांजगीर के अकलतरा, कोरबा के कुसमुण्डा, जशपुर के कोतबा, बरगढ़ (उड़िसा), सारंगढ़ के बरमकेला, महासमुंद के मुढ़ेना, गरियाबंद शहर एवं रायपुर जिला के नवापारा (राजिम) में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों (24, 51 व 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, दीप माहायज्ञ, मां गायत्री की प्राण प्रतिष्ठा) में सम्मिलित होंगे, जिसमें उनका उद्बोधन कार्यक्रम भी होगा। वे 06 जनवरी को हरिद्वार के लिये रवाना होंगे।

रायपुर विमानतल में आगमन के दौरान डॉ. पण्ड्या का गायत्री परिवार के वरिष्ठजनों द्वारा आदर एवं श्रद्धाभाव से स्वागत किया गया। इस दौरान शांतिकुंज प्रतिनिधि सुखदेव निर्मलकर, बलदाऊ देवांगन, छ.ग. की जोन समन्वयक आदर्श वर्मा के साथ सर्व श्याम बैस, सदाशिव हथमल, दीनानाथ शर्मा, दिलीप पाणिग्रही, सी.पी. साहू, लच्छुराम निषाद, प्रज्ञा प्रकाश निगम, नीलकण्ठ साहू, नीलम सिन्हा, संध्या सिन्हा, अजय गुप्ता, त्रिलोक तारक, नयापारा (राजिम) के पूर्व नगरपालिका

जानबूझकर धान खरीदी को बाधित कर रही सरकार : कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। धान खरीदी में अव्यवस्था के चलते किसानों को हो रही परेशानी को लेकर सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूरे प्रदेश के धान संग्रहण केंद्रों में बफर लिमिट से अधिक धान जाम हो चुका है, जिसके कारण धान खरीदी लगभग बंद होने की स्थिति में है। बालोद जिले में स्थिति यह है कि 143 में से 134 संग्रहण केंद्रों में बफर लिमिट से अधिक धन जाम हो चुका है, लगभग 94 प्रतिशत सोसाइटियों में बफर लिमिट से अधिक धान का स्टॉक जमा हो गया है। बीजापुर जिले में अब तक के कुल खरीदी का 90 प्रतिशत धान सोसाइटियों और संग्रहण केंद्रों में ही जाम है। परिवहन और मिलिंग के अभाव में सोसायटीयां आगे की खरीदी से हाथ खड़ा कर रहे हैं। बारदाने की समस्या को लेकर गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के किसान चक्का जाम करने बढ़े हैं और यह सरकार केवल झूठे वादे करने में मस्त है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के किसान विरोधी सोच और दुर्भावना के चलते पूरे प्रदेश में किसान आक्रोशित हैं। 3100 रू. प्रति क्विंटल की दर से एक मुफ्त पैसा किसी किसान को नहीं मिला, 21 क्विंटल प्रति एकड़ का दावा भी झूठा निकला अधिकतम खरीदी राज्य में 20 क्विंटल 40 किलो प्रति एकड़ के दर से ही हुआ है कई जगह फर्जी अनावारी रिपोर्ट के आधार पर उसमें भी कटौती कर दी गई। हर ग्राम पंचायत में नगद भुगतान के लिए काउंटर खोलने का मोदी का वादा भी जुमला निकला।

सरकार की उपेक्षा और

न्यूज गैलरी

नकदी संबंधी चुनौतियों से जूझ रहे भारतीय निर्यातक, हल निकाले केंद्र

नई दिल्ली। भारतीय निर्यातक की बढ़ती नकदी संबंधी समस्याओं पर सीआईआई चेयरमैन संजय बुधिया ने केंद्र सरकार की ओर रूख किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को छोटे एवं मझोले उद्योगों (एमएसएमई) सहित सभी विनिर्माण क्षेत्र के निर्यात के लिए ब्याज समानीकरण योजना को तीन साल के लिए बढ़ाना चाहिए। भारतीय निर्यातक उच्च ब्याज दर के कारण नकदी संबंधी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इस कारण कंपनियां वैश्विक माहौल में प्रतिस्पर्धी नहीं बन पा रही हैं, जिससे देश का निर्यात प्रभावित हो रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की निर्यात-आयात (एग्जिम) पर राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन संजय बुधिया ने कहा, निर्यात से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार और बैंकों को मिलकर हल निकालना होगा। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को छोटे एवं मझोले उद्योगों (एमएसएमई) सहित सभी विनिर्माण क्षेत्र के निर्यात के लिए ब्याज समानीकरण योजना को तीन साल के लिए बढ़ाना चाहिए। यह योजना 31 दिसंबर, 2024 को खत्म हो गई है। संजय बुधिया ने आगे कहा कि निर्यातक वास्तव में नकदी के मोर्चे पर अहम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उच्च ब्याज दरें और निर्यात फंडिंग में गिरावट से उनकी प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित हो रही है। एमएसएमई निर्यातकों को पहले और बाद में निर्यात ऋण के लिए ब्याज सब्सिडी को तीन फीसदी से बढ़ाकर 5 फीसदी करने से बहुत फायदा होगा।व्यापार घाटे के मोर्चे पर भी राहत मिलेगी।

वित्त मंत्री वित्तीय-पूंजी बाजार के हितधारकों से मिलीं

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय हर साल बजट से पहले विशेषज्ञों, उद्योग जगत के नेताओं, अर्थशास्त्रियों और राज्य के अधिकारियों के साथ कई परामर्श बैठकें आयोजित करता है। अगले वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक बजट तैयार करने की औपचारिक कवायद शुरू हो चुकी है। इस बीच वित्त मंत्री ने वित्तीय और पूंजी बाजार के हितधारकों से मुलाकात की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को बजट पूर्व परामर्श बैठक की श्रृंखला के तहत वित्तीय क्षेत्र और पूंजी बाजार के हितधारकों से मुलाकात की। बैठक में वित्त सचिव, दीपम सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग व वित्तीय सेवा विभाग के सचिव भी मौजूद रहे। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी इस बैठक में शामिल हुए। यह बजट पूर्व परामर्श बैठक की श्रृंखला में सातवीं बैठक थी। वित्त मंत्रालय हर साल बजट से पहले विशेषज्ञों, उद्योग जगत के नेताओं, अर्थशास्त्रियों और राज्य के अधिकारियों के साथ कई परामर्श बैठकें आयोजित करता है। अगले वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक बजट तैयार करने की औपचारिक कवायद शुरू हो चुकी है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अब तक एमएसएमई, किसान संघों और अर्थशास्त्रियों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ कई बैठकें कर चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले सप्ताह नीति आयोग परिसर में केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारी के लिए प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और विचारकों के एक समूह के साथ बातचीत की थी। परंपरा के अनुसार, 2025-26 का बजट 1 फरवरी, 2025 को पेश किया जाएगा। 2025-26 का बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आठवां बजट होगा। सभी की निगाहें प्रमुख घोषणाओं और मोदी 3.0 के शेष कार्यकाल के लिए सरकार के दूरदर्शी आर्थिक मार्गदर्शन पर होंगी। यह बजट कमजोर जीडीपी आंकड़ों और अर्थव्यवस्था में कमजोर खपत की पृष्ठभूमि पेश किया जाना है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था वास्तविक रूप से 5.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी।

रुपये में कमजोरी से सोने की तेजी को मिला बढ़ावा

सोना 330 रुपये बढ़कर 79720 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी 130 रुपये मजबूत हुई

नई दिल्ली। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को सोने का भाव 330 रुपये बढ़कर 79,720 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। चांदी भी इस दौरान 130 रुपये बढ़कर 90,630 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की लगातार खरीदारी से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को सोने का भाव 330 रुपये बढ़कर 79,720 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। बुधवार को यह बहुमूल्य धातु 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी भी इस दौरान 130 रुपये बढ़कर 90,630 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 90,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। बुधवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 330 रुपए बढ़कर 79,170 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि इससे पहले इसका भाव 78,840 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। व्यापारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी से सर्राफा कीमतों को मदद मिली। इस बीच, एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में फरवरी डिलीवरी सोना अनुबंध की कीमत 205 रुपये यानी 0.27 प्रतिशत बढ़कर 77,098 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी।

घरेलू बाजार में सोने की सकारात्मक तेजी 77,300 रुपये के स्तर को पार कर गई, जिसे कॉमेक्स सोने के 2,640 डॉलर से ऊपर बने रहने से समर्थन मिला।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट (कमोडिटी एवं करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ÷रुपये की कमजोरी से इस तेजी को और बढ़ावा मिला है। अंतरराष्ट्रीय मजबूती और मुद्रा गतिशीलता के संयोजन ने सोने के लिए तेजी की भावना को

मजबूत किया है। कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी वायदा भाव 859 रुपये यानी 0.98 प्रतिशत बढ़कर 88,437 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 8.50 डॉलर प्रति औंस या 0.32 प्रतिशत बढ़कर 2,649.50 डॉलर प्रति औंस हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, ÷नए साल की छुट्टियों के बाद पिछले साल की तेजी के रुझान को जारी रखते हुए, हाजिर सोने ने 2025 के पहले दिन सकारात्मक कारोबार करना शुरू कर दिया। गांधी ने कहा कि बाजार सहभागियों का ध्यान अब अमेरिका से आने वाले प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़ों पर है, जिनमें बेरोजगारी दावे और विनिर्माण पीएमआई शामिल हैं, जो गुरुवार और शुक्रवार को जारी होंगे, जिससे सर्राफा बाजार में और अधिक अस्थिरता आ सकती है। एशियाई बाजार में चांदी कॉमेक्स वायदा 1.62 प्रतिशत बढ़कर 29.72 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

जेफरीज की रिपोर्ट में किया गया यह दावा

बजट में पूंजीगत खर्च 10-12 फीसदी बढ़ा सकती है सरकार

नई दिल्ली। जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, एक फरवरी, 2025 को पेश होने वाले बजट में पूंजीगत खर्च में 10-12 फीसदी सालाना वृद्धि की इसलिए भी जरूरत है, ताकि कैपेक्स और जीडीपी अनुपात को बनाए रखा जा सके। बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान देने और हितधारकों में भरोसा पैदा करने के लिए मोदी सरकार आगामी बजट 2025-26 में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) 10-12 फीसदी बढ़ा सकती है। जेफरीज ने एक रिपोर्ट में कहा, सरकार के पूंजीगत खर्च में लगातार वृद्धि चुनावी साल के बाद अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूंजीगत खर्च में दहाई अंकों में वृद्धि को लेकर 2025-26 के बजट पर कड़ी नजर रहेगी क्योंकि, चुनावी नतीजों को ध्यान में रखते हुए भी 2024-25 के बजट में पूंजीगत खर्च में 16 फीसदी की सालाना वृद्धि को बरकरार रखा गया था। जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, एक फरवरी, 2025 को पेश होने वाले बजट में

पूंजीगत खर्च में 10-12 फीसदी सालाना वृद्धि की इसलिए भी जरूरत है, ताकि कैपेक्स और जीडीपी अनुपात को बनाए रखा जा सके। साथ ही, यह दर्शाया जा सके कि सरकार बुनियादी ढांचे में निवेश पर जोर दे रही है।

सात महीनों में 15 फीसदी घट गया खर्च: चुनावों के कारण वित्त वर्ष 2025 के पहले सात महीनों में सरकारी पूंजीगत खर्च में 15 फीसदी गिरावट आई है। चालू वित्त वर्ष के लिए मामूली 5 फीसदी की वृद्धि पाने के लिए नवंबर, 2024 से मार्च, 2025 तक पूंजीगत खर्च में 32% बढ़ोतरी की जरूरत होगी।

रक्षा क्षेत्र में 8 फीसदी तक बढ़ोतरी की उम्मीद

रक्षा के मोर्चे पर जेफरीज ने कहा, सरकार 2023-24 से 2029-30 तक अपने खर्च में सालाना 7-8 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ोतरी कर सकती है। यह पिछले दशक के रुझानों के अनुरूप होगा। मौजूदा नीतियों के साथ, घरेलू रक्षा क्षेत्र अगले 5-6 वर्षों में 100-120 अरब डॉलर के अवसर प्रस्तुत करता है। इसका अर्थ है कि उद्योग 13 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ेगा। अगर निर्यात बेहतर होता है, तो वृद्धि 15 फीसदी तक पहुंच सकती है।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी में निवेश पूरा किया

नई दिल्ली। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई: 532850, एनएसई: MICEL), जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है, ने दुबई स्थित अपनी सहायक कंपनी एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी में 51 करोड़ के निवेश को पूरा करने की घोषणा की है। यह सहायक कंपनी इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स ट्रेडिंग में कार्यरत है।

हाल ही में कंपनी को जीपीएस आधारित पब्लिक एड्रेस एंड पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम और एसी एवं नॉन-एसी रेलवे कोचों में एलईडी डेस्टिनेशन बोर्ड्स के लिए क्षमता एवं योग्यता मूल्यांकन (कैपेसिटी कम कैपबिलिटी असेसमेंट) की स्वीकृति प्राप्त हुई।

इसके अलावा, कंपनी ने एमआईसीके डिजिटल इंडिया लिमिटेड नामक एक पुरे मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी का गठन किया है। यह सहायक कंपनी सभी प्रकार के स्मार्ट मीटर, डिजिटल मीटर, रूफमाउंटेड एसी पैकेज यूनिट्स, इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई सिस्टम, मिनी कंप्यूटर, माइक्रोप्रोसेसर आधारित सिस्टम और कंप्यूटर पेरिफेरल्स के निर्माण और व्यापार के लिए कार्य करेगी।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 1988 से एलईडी वीडियो डिस्प्ले, उच्च-स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक और दूरसंचार उपकरणों के डिजाइन, विकास और निर्माण में अग्रणी रही है। यह आईएसओ 9001:2008 और आईएसओ 14001:2004 प्रमाणित कंपनी है, जो एलईडी वीडियो, ग्राफिक्स और टेक्स्ट डिस्प्ले, एलईडी लाइटिंग सॉल्यूशंस, एंबेडेड सिस्टम, दूरसंचार सॉफ्टवेयर, और संचार व इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के गतिशील क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति बना चुकी है।

एमआईसी के प्रमुख उत्पाद, एलईडी वीडियो डिस्प्ले (इनडोर, आउटडोर, और मोबाइल), खेल स्टेडियमों, परिवहन केंद्रों, डिजिटल थिएटरों, थीम पार्कों, विज्ञापनों, और सार्वजनिक सूचना डिस्प्ले के लिए महत्वपूर्ण बन चुके हैं।

मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड ने डीसी 2 मर्क्यूरी कार्स प्राइवेट लिमिटेड में 69.84% हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली। मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड (बीएसईः 531357), जो इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन में एक प्रमुख कंपनी है, ने डीसी2 मर्क्यूरी कार्स प्राइवेट लिमिटेड और अनुराधा बी. छाबड़िया (विक्रेता) के साथ शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी 25,00,000 इक्विटी शेयरों में से 69.84त्न हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। इस अधिग्रहण के बाद, लक्षित कंपनी को अधिग्रहक की सहायक कंपनी माना जाएगा।

डीसी2 मर्क्यूरी कार्स मुख्य रूप से यात्री कारों, स्पोर्ट्स कारों और कारों के संशोधन का डिज़ाइन करती है। कंपनी के मुख्य डिज़ाइनर श्री दिलीप छाबड़िया (डीसी) के होने के कारण, उनकी कारों के डिज़ाइन में विशेषज्ञता मर्क्यूरी ईवी-टेक लिमिटेड के लिए उनके असाधारण कौशल का एक सजीव उदाहरण बनेगी। डीसी मर्क्यूरी कार्स के ब्रांड के तहत यह सहयोग उत्पादों की बाजार में स्वीकृति बढ़ाने और आगामी वर्षों में व्यापार वृद्धि को प्रेरित करने की उम्मीद है। यह रणनीतिक अधिग्रहण मर्क्यूरी ईवी-टेक के उत्पाद पोर्टफोलियो में एक और पहलू जोड़ देगा।

डीसी मुख्य रूप से मौजूदा कारों का डिज़ाइन कर रहा है और उनकी विभिन्न स्पोर्ट्स और एसयूवी कार डिज़ाइन भी हैं, जिन्हें मुख्य डिज़ाइनर श्री दिलीप छाबड़िया (डीसी) द्वारा डिज़ाइन किया गया है। 1993 में स्थापित डीसी डिज़ाइन भारत में विशेष कार अनुकूलन के लिए एक प्रमुख स्टूडियो बन गया। डीसी लक्ज़री सेडान, स्पोर्ट्स कार, और यहां तक कि व्यावसायिक वाहनों को अनोखे masterpieces में बदलने के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने बॉलीवुड सितारों और प्रमुख व्यवसायियों जैसे उच्च-प्रोफ़ाइल ग्राहकों के लिए अनुकूलित परियोजनाओं पर काम किया है।

अमेरिकी अदालत ने अदाणी के खिलाफ मुकदमे एक साथ चलाने का दिया आदेश

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य के खिलाफ 265 मिलियन अमरीकी डॉलर की रिश्वतखोरी के आरोप में चल रहे तीन मामलों की सुनवाई एक साथ करने का आदेश दिया है। न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य के खिलाफ 265 मिलियन अमरीकी डॉलर की रिश्वतखोरी के आरोप में चल रहे तीन मामलों की सुनवाई एक साथ करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि इन मामलों की सुनवाई एक संयुक्त मुकदमे में एक साथ की जाएगी। जिन मामलों को एक साथ जोड़ा गया है उनमें यूएस बनाम अदाणी व अन्य (अदाणी के खिलाफ आपराधिक मामला), प्रतिभूति व विनिमय आयोग

(एसईसी) बनाम अदाणी एवं अन्य (अदाणी के खिलाफ दीवानी मामला) और एसईसी बनाम कैबनेस (अन्य आरोपियों के खिलाफ दीवानी मामला) शामिल हैं।

न्यायालय के अनुसार यह निर्णय न्यायिक दक्षता को बढ़ावा देने और परस्पर विरोधी अनुसूचियों से बचने के लिए लिया गया है। सभी मामलों को जिला न्यायाधीश निकोलस जी गरौफिस को सौंपा जाएगा, जो अदाणी के खिलाफ आपराधिक मामले की भी सुनवाई कर रहे हैं। न्यायालय के कर्मचारियों को मामलों का पुनः आवंटन करने का निर्देश दिया गया है। अदाणी और अन्य पर राज्य बिजली वितरण कंपनियों के साथ सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 265 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,029 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने का आरोप है। इससे पहले, अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया था कि यह तथ्य उन अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छिपाया गया था, जिनसे अदाणी समूह ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए धन जुटाया था। दूसरी ओर अदाणी समूह ने आरोपों को निराधार बताते हुए खंडन किया है और कहा है, हम एक कानून का पालन करने वाला संगठन हैं, हम सभी कानूनों का पूरी तरह से पालन करते हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि अभियोग आरोपों पर आधारित हैं, और दोषी साबित होने तक प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाता है।

खेल

सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत 185 पर ऑलआउट

***स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1, पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए**

सिडनी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट की पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट हो गई है। शुक्रवार को स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1 है। उस्मान ख्वाजा 2 रन बनाकर आउट हुए। सैम कोंस्टास पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद 7 रन पर नाबाद लौटे हैं। स्टंप्स से ठीक पहले जसप्रीत बुमराह की युवा ओपनर सैम कोंस्टास से बहस हो गई। इस बहस के तुरंत बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा (2 रन) को पवेलियन की राह दिखाई। ख्वाजा के आउट होने ही अंपायर्स ने दिन का खेल समाप्त कर दिया। भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 26 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल ने 20 रन और विराट कोहली ने 17 रन का योगदान दिया।

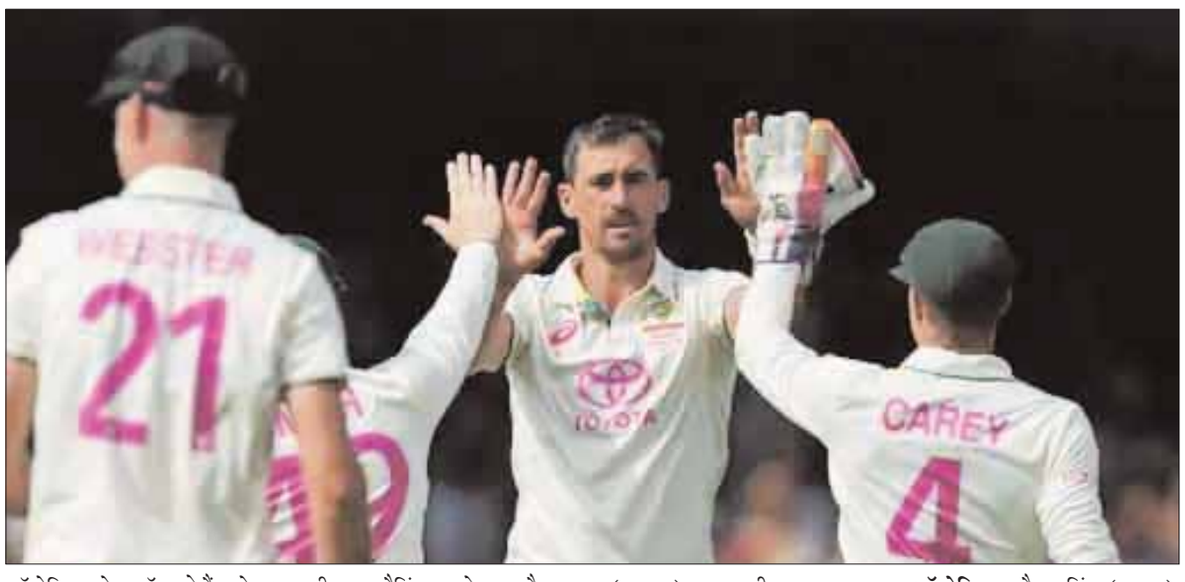

ऑस्ट्रेलिया से स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके।

मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले। पैट कमिंस को 2 विकेट मिले। एक विकेट नाथन लायन के खाते में आया।भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में रोहित शर्मा की जगह जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। रोहित शर्मा को रेस्ट दिया गया है। **भारत-** जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, नीतीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया- पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और स्कॉट बोलैंड।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को तीसरे टी-20 में हराया

***कीवियों ने 2-1 से जीती सीरीज, परेरा की सेंचुरी, असलंका को 3 विकेट**

नेल्सन। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में 7 रन की रोमांचक जीत हासिल की है। इस जीत के साथ श्रीलंकाई टीम ने खुद को क्लीन स्वीप से बचा लिया है, हालांकि चरिथ असलंका की कप्तानी वाली टीम ने यह सीरीज 2-1 से गंवा दी है।

नेल्सन में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। श्रीलंका ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 218 रन का स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम तय 20 ओवर में 7 विकेट पर 211 रन तक ही पहुंच सकी। कुसल परेरा प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 46 गेंद पर 101 रन की पारी खेली। जबकि जैकब डफी को प्लेयर ऑफ सीरीज चुना गया। डफी ने 8 विकेट चटकाए हैं। जीत के बाद ट्रॉफी के साथ न्यूजीलैंड टीम के खिलाड़ी।

जीत के बाद ट्रॉफी के साथ न्यूजीलैंड टीम के खिलाड़ी। श्रीलंका की खराब शुरुआत, पावरप्ले में 2 विकेट गंवाए टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। टीम पावरप्ले के 6 ओवर में 49 रन बनाने में 2 विकेट गंवा दिए थे। पारी के तीसरे ओवर में मैट हेनरी ने पथुम निसांका को पवेलियन भेजा, जबकि 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर मिचेल सैंटनर ने कुसल मेंडिस को माइकल ब्रेसवेल के हाथों कैच कराया। निसांका 14 और मेंडिस 22 रन बनाकर आउट हुए। परेरा-असलंका की शतकीय साझेदारी मिडिल ओवर में 83 रन के स्कोर पर तीसरा विकेट गंवाने के बाद कुसल परेरा (101 रन) ने कप्तान चरिथ असलंका (46 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। दोनों ने 45 बॉल पर 100 रन जोड़े। उन्होंने तीसरे विकेट पर फर्नांडो के साथ 41 रन की साझेदारी की थी। इस साझेदारी को जैकब डफी ने तोड़ा। उन्होंने फर्नांडो (17 रन) को LBW किया। न्यूजीलैंड की मजबूत शुरुआत, रचिन रवींद्र की फिफ्टी 219 रन का टारगेट चेज कर रही न्यूजीलैंड की टीम ने मजबूत शुरुआत की। टिम रॉबिंसन और रचिन रवींद्र ने 45 बॉल पर 81 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में बिना नुकसान के 63 रन बना लिए थे। ओपनिंग साझेदारी को अविष्का फर्नांडो ने तोड़ा। उन्होंने रॉबिन्सन को सब्सिट्यूट फील्डर कमिंडु मेंडिस के हाथों कैच कराया।

न्यूज गैलरी

विभिन्न विद्यालयों में आयोजित किये गए ऊर्जा संरक्षण जागरूकता शिविर

भोपाल/नवप्रदेश। ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स इंदौर के अंतर्गत आने वाले टी.एल.एम. उपसंभागो द्वारा विभिन्न शासकीय विद्यालयों में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक, सजग और सचेत रहने के लिये सरल भाषा में आवश्यक जानकारियां दी गई एवं विद्यालयों में ऊर्जा संरक्षण संबंधित स्टीकर, पम्पलेट भी वितरित किए गए। एमपी ट्रांसको इंदौर की अधीक्षण अभियंता श्रीमति नीलम खन्ना की पहल और मार्गदर्शन में यह जागरूकता अभियान इंदौर, मंदसौर, राजगढ, छैगांव, जुलवानिया, निमरानी, सुवासरा आदि स्थानों मेंआयोजित किये गये। शिविरों में विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकों एवं समस्त विद्यार्थियों ने उत्साह और उत्सुकतापूर्वक ऊर्जा संरक्षण के महत्व, विद्युत बचाने के तरीके और ऊर्जा संरक्षण के प्रति सभी को प्रेरित करने की आवश्यकता को समझा। विद्यार्थियों ने बारीकी से स्टार रेटिंग वाले फ्रिज, वाशिंग मशीन, पंखे, कूलर आदि के उपयोग से बिजली बचत की प्रक्रिया समझी और ''बिजली का बचत ही बिजली का उत्पादन है'' के स्लोगन को समझते हुये बिजली बचत की शपथ ली।

समझौता राशि जमा नहीं करने वाले बिजली उपभोक्ताओं पर होगी कार्यवाही

धारा 135 एवं 138 के प्रकरणों को विशेष न्यायालयों में कराया जाएगा दर्ज

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में सतर्कता एवं अन्य जॉच दलों द्वारा विद्युत चोरी एवं अनधिकृत विद्युत उपयोग करने के मामलों में दर्ज विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं 138 के समस्त ऐसे प्रकरणों जिनमें विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा शत-प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि मय समझौता राशि के जमा नहीं की जा रही है, उन प्रकरणों को विशेष न्यायालय में दर्ज कराये जाने की कार्यवाही की जाएगी। इससे संबंधित विशेष न्यायालयों में दर्ज करने पर अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत संबंधित व्यक्ति / उपभोक्ता के विरूद्ध नियमानुसार न्यायालयीन कार्यवाही की जा सकेगी। कंपनी ने ऐसे सभी उपभोक्ताओं, जिनके विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं 138 के अंतर्गत अनधिकृत विद्युत उपयोग अथवा विद्युत चोरी के मामले दर्ज हैं, से अपील की है कि वे जल्द से जल्द नियमानुसार निर्धारित समयावधि में शत-प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि मय समझौता राशि कंपनी के खाते में जमा करायें और होने वाली कार्यवाही से बचें।

अब तक खरीदी गई 28 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान

भोपाल/नवप्रदेश। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 4 लाख 35 हजार 390 किसानों से 28 लाख 48 हजार 823 मीट्रिक टन धान की खरीदी उपार्जन केन्द्रों में हो चुकी है। धान की खरीदी के लिये 1393 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। धान का उपार्जन 23 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रूपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रूपये है। जिला बालाघाट में 3 लाख 74 हजार 547, सतना 3 लाख 4 हजार 228, कटनी 2 लाख 80 हजार 206, रीवा 2 लाख 66 हजार 730, जबलपुर 2 लाख 32 हजार 728, सिवनी 1 लाख 75 हजार 162, मण्डला 1 लाख 42 हजार 839, शहडोल 1 लाख 33 हजार 562, मैहर 1 लाख 11 हजार 74, नर्मदापुरम् 1 लाख 4 हजार 867, सिंगरौली 1 लाख 3 हजार 768, पन्ना 84 हजार 448, उमरिया 84 हजार 76, सीधी 82 हजार 767, मऊगंज 69 हजार 684, अनूपपुर 64 हजार 363, नरसिंहपुर 55 हजार 867, दमोह 53 हजार 820, डिंडोरी 32 हजार 614, बैतूल 26 हजार 727, रायसेन 25 हजार 190, सीहोर 19 हजार 893, सागर 10 हजार 217, छिन्दवाड़ा 6 हजार 929,

कला साध्य भी है, आराध्य भी है : सीएम यादव

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय कला उत्सव 2024-25 का किया शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को एनसीईआरटी परिसर भोपाल के कला मंडपम में संस्कृति और कला के अनूठे संगम राष्ट्रीय कला उत्सव 2024-25 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर भव्य आयोजन की शुरुआत की। कार्यक्रम में पारंपरिक और आधुनिक कला सामंजस्य का सुंदर समावेश किया गया है। राष्ट्रीय कला उत्सव 2024-25 सोमवार 6 जनवरी तक चलेगा, जिसमें देशभर से आए कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कला हमारे समाज, हमारी संस्कृति का प्रतिबिंब है। इसे बढ़ावा देना हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कला एक साधना और कलाकार एक साधक है। कला साध्य भी है और आराध्य भी है। कला ही समाज को अलंकृत करती है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा कलाकारों और सांस्कृतिक संस्थाओं को हर संभव समर्थन देने की बात कही और कला के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण 64 कलाओं और 14 विधाओं में निपुण थे। वे ललित कलाओं में पारंगत थे। वे रागी थे, अनुरागी थे, धर्म की स्थापना के लिए इस धरा पर आये परम योगी थे। यौगिक क्रियाओं के प्रवर्तक श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में योगिराज थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनेकता से एकता भारत की विशेषता है। हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर नाड़ करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 से प्रारंभ किया गया यह एक अनूठा कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को विकसित करना और भारतीय कला एवं शिल्प की धरोहर को संरक्षित तथा यथावत रखना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा को विद्यार्थियों में प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षा के माध्यम से कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर बल देती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय कला एवं संस्कृति का संवर्धन न केवल राष्ट्र, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए भी महत्वपूर्ण है। कला एवं संस्कृति विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और नैतिकता की भावना को विकसित करती है, जिससे वे मशीनी होने की अपेक्षा संवदेनशील मनुष्य बन पाते हैं। कला की कोई भी विधा हो, यह अधिगम का एक सशक्त माध्यम है। कला चाहे नृत्य हो, गायन हो, वादन हो, चित्रण हो, शिल्पकला या अन्य कोई भी विधा हो अथवा स्थानीय/पारम्परिक खेल-खिलौने हों, ये सभी विधाएं विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, वैचारिक, सामाजिक, भावनात्मक और व्यावहारिक विकास में वृद्धि करती हैं। कला उत्सव, हमारे विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है, जहाँ वे संपूर्ण भारत के सांस्कृतिक रूप को समग्रता में अनुभव कर सकते हैं। कला उत्सव में अलग-अलग राज्यों से जुड़े छात्र-छात्राओं का परस्पर संवाद उन्हें संपूर्ण भारत से जुड़ाव की अनुभूति कराता है।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने देश के विभिन्न अंचलों से आये बाल कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह कला उत्सव बाल कलाकारों को उनकी प्रतिभा की अभिव्यक्ति/प्रदर्शन का मंच प्रदान करता है। उन्होंने आल्हादित होकर कहा कि आज हमारे बच्चे ज्ञान-विज्ञान, कला-कौशल, संस्कृति से जुड़कर अपनी मेधा से देश का नाम रोशन कर रहे हैं। बाल कलाकार अपनी कला को ओर अधिक निखारें। पूरा क्षितिज उनका है, भविष्य उन्हीं का है।

केन्द्रीय शिक्षा एवं साक्षरता मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव श्री आनंदराव विष्णु पाटिल ने बताया कि विकसित भारत अभियान एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत की मूल मंशा के लिये इस कला उत्सव का यह 10वां संस्करण है। इसके जरिए बच्चे अपनी कला को और निखार रहे हैं।

एनसीईआरटी नई दिल्ली के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि हमारी नई शिक्षा नीति पूरी तरह भारतीयता से समावेशित है। यह ऐसी है कि विद्यार्थियों को कला विषय में विज्ञान का और विज्ञान व सामाजिक विज्ञान विषय में कला का बोध होता है। हमने अब तक जो किया वह विकसित भारत के निर्माण को समर्पित है। कला उत्सव में तीन दिन बाल कलाकारों का प्रदर्शन होता है। चौथे व अंतिम दिन जूरी द्वारा कलाकारों को पुरस्कृत कर कला उत्सव का समापन किया जाता है।

स्वागत भाषण में कला उत्सव की राष्ट्रीय संयोजक प्रो. ज्योत्सना तिवारी ने बताया कि यह 10वां एवं भोपाल में आयोजित तीसरा राष्ट्रीय कला उत्सव है। आयोजन का मूल उद्देश्य है कि अपनी कला के जरिए बच्चे आगे बढ़े। देश भर के करीब 500 बाल कलाकार अपने शिक्षकों/अभिभावकों के साथ भोपाल आकर आयोजन को सफल बना रहे हैं।

कार्यक्रम में विधायक श्री भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, केन्द्रीय शिक्षा एवं साक्षरता मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्रीमती अर्चना शर्मा, डॉ. दीपक पालीवाल, प्रो. चित्रा सिंह, प्रो. रत्नामाला आर्य, श्री एन.सी. ओझा सहित बड़ी संख्या में आये बाल कलाकार, शिक्षक, अभिभावक एवं दर्शक उपस्थित थे।

केंद्रीय शिक्षा एवं साक्षरता मंत्रालय की पहल पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) नई दिल्ली द्वारा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और पं. सुन्दरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल में 10वें राष्ट्रीय कला उत्सव का आयोजन किया गया है। इसमें केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय सहित भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के माध्यमिक स्तर के लगभग साड़े पांच सौ विद्यार्थी अपने एस्कॉर्ट के साथ भाग ले रहे हैं। गायन, वादन, नृत्य, दृश्य कला, रंगमंच और परम्परागत कहानी जैसी कला-विधाओं पर हो रहे इस कला उत्सव में भारत के लब्ध-प्रतिष्ठ कला साधकों को निर्णायकों के रूप में आमंत्रित किया गया है। अव्वल प्रदर्शन करने वाले बाल कलाकारों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक/पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

समय पर पूर्ण करें चिकित्सकीय पदों पर भर्ती प्रकिया : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

33 हज़ार से अधिक पदों पर की जा रही है भर्ती

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में ईएसबी एवं पीएससी के अंतर्गत प्रक्रियाधीन विभिन्न चिकित्सकीय एवं सहायक चिकित्सकीय पदों में भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सभी भर्ती प्रक्रियाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए मैन-पॉवर की समय पर नियुक्ति अत्यंत आवश्यक है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मेडिकल कॉलेजों में पे-प्रोटेक्शन के विषय पर आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर, सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए इसे शीघ्र कैबिनेट अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीधी भर्ती एवं बैकलॉग पदों पर अब तक की गई कार्रवाई की पदवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि भर्ती प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी कैबिनेट स्वीकृत समस्त पदों पर भर्ती तय समय सीमा में पूरी की जाये। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसे तत्काल संज्ञान में लाया जाए। सभी औपचारिकताएं समयबद्ध ढंग से पूरी हों। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में 33 हज़ार से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है। आईपीएचएस मानक अनुसार 18 हज़ार 653 पद पर, 454 उन्नयित स्वास्थ्य संस्थानों में 7 हज़ार 977 पद पर, कैलाशनाथ काटजू हॉस्पिटल में 195 पदों पर, 18 शासकीय नर्सिंग महाविद्यालयों के लिये 414 पद सहित 273 अन्य स्वीकृत स्वास्थ्य संस्थानों में 5 हज़ार 779 चिकित्सकीय एवं सहायक चिकित्सकीय पदों पर नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। बैठक में आयुक्त स्वास्थ्य

अद्वैत वेदान्त दर्शन के अध्ययन के लिए इस वर्ष 20 शिविर

18 से 40 वर्ष तक के युवा 10 आचार्यों के दिव्य सान्निध्य में कर सकेंगे अध्ययन

इच्छुक युवा ऑनलाइन करें पंजीयन

भोपाल/नवप्रदेश। आचार्य शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन और शिक्षाओं से युवाओं को परिष्कृत और सुसंस्कृत बनाने के लिए आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास वर्ष-2025 में 20 अद्वैत जागरण युवा शिविर आयोजित करेगा। 10 आचार्यों की दिव्य सान्निध्य में देश-विदेश के 18 वर्ष से 40 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभाशाली युवा अद्वैत वेदान्त अध्ययन कर सकेंगे। शिविर में शामिल होने के लिए इच्छुक युवा 222.श्ठ्ठद्गठ्ठद्गह्यह्य.श्हद्द.द्बठ्ठ पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं। वर्ष-2025 का प्रथम शिविर 17 से 26 जनवरी तक आयोजित होगा। इसमें चिन्मय गार्डन, कोयम्बटूर, तमिलनाडु की स्वामिनी विमलानंद सरस्वती मनीषा पंचकम के माध्यम से युवाओं को अद्वैत से जोड़ेंगी।

इसके बाद 1 से 10 फरवरी एवं 1 अगस्त से 10 अगस्त तक आर्ष विद्या गुरुकुलम्, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में स्वामी परमात्मानंद सरस्वती तत्वबोध पर, 8 से 17 फरवरी तक श्री श्री ओंकारेश्वर आश्रम, मध्यप्रदेश में स्वामी प्रबुद्धानंद सरस्वती तत्वबोध पर, 15 से 24 फरवरी एवं 22 जून से 1 जुलाई तक अद्वैत आश्रम, मायावती, उत्तराखंड में स्वामी शुद्धिदानंद विवेक चू?ामणि पर, 01 से 10 अप्रैल तक चिन्मय तपोवन, सिद्धबाड़ी, हिमाचल प्रदेश में स्वामी मित्रानंद सरस्वती, साधना पंचकम् पर, 4 से 13 अप्रैल एवं 21 से 30 मई तक तपोवन कुटी, उत्तरकाशी, उत्तराखंड में स्वामी हरिब्रह्मद्रानंद तीर्थ तत्वबोध पर, 14 से 23 जुलाई तक चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन, केरल में स्वामी स्वात्मानंद सरस्वती साधना पंचकम पर युवाओं को अद्वैत वेदान्त का अध्ययन कराएंगे। युवाओं को 12 से 21 अगस्त एवं 23 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चिन्मय गार्डन, कोयम्बटूर, तमिलनाडु की स्वामिनी विमलानंद सरस्वती मनीषा पंचकम पर 27 अगस्त से 5 सितंबर एवं 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चिन्मय विभूति, पुणे, (महाराष्ट्र) में स्वामी अद्वैतानंद सरस्वती तत्वबोध पर, 4 से 13 अक्टूबर तक श्री श्री ओंकारेश्वर आश्रम, मध्यप्रदेश में स्वामिनी प्रव्राजिका

तीन नई ट्रेनों की शुरूआत और एक नया रोड ओवर ब्रिज राष्ट्र को समर्पित

नाइलिट डीम्ड यूनिवर्सिटी का उद्घाटन, नाइलिट और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एमओयू

कोकराझार में आकाशवाणी के नए एफएम रेडियो सेंटर का उद्घाटन

मालीगांव। रेल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप, आज गुवाहाटी से तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा तेतेलिया स्टेशन यार्ड पर निर्मित एक नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) राष्ट्र को समर्पित किया गया। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर असम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, भारत सरकार के माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और माननीय विदेश मामले और कपड़ा राज्य मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा की उपस्थिति के अलावा अन्य दूसरे स्थानों पर सांसद/ विधायकगण उपस्थित थे। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण) के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार चौधरी के साथ मुख्यालय और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय सांसद/ विधायकगण और अन्य विशिष्ट व्यक्ति भी उक्त कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

इस अवसर पर माननीय मंत्रियों की उपस्थिति में नाइलिट और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए और उसका आदान-प्रदान किया गया। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक प्रमुख संस्थान है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एक विशिष्ट श्रेणी के तहत एक डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई है। रोपर में मुख्य कैंपस के साथ-साथ अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, कालिकट, इम्फाल, ईटानगर, कोहिमा, गोरखपुर, पटना और श्रीनगर में इसकी 11 सह इकाइयां हैं। नाइलिट डीम्ड विश्वविद्यालय शिक्षा को नए सिरे से परिभाषित करने को तैयार है। यह उभरती डिजिटल तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण, साइबर सिक्यूरिटी एवं फॉरेंसिक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी आदि में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कोर्स की सुविधा प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम उद्योग के साथ और उद्योग के लिए विकसित किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि कार्यबल उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार कौशल हासिल करेगा।

शुरू की गई इन ट्रेनों में ट्रेन संख्या 55818/55817 (गुवाहाटी : न्यू बंगाईगांव : गुवाहाटी) दैनिक पैसेंजर, ट्रेन संख्या 15911/15912 (तिनसुकिया : नाहरलगुन : तिनसुकिया) त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 12047/12048 (गुवाहाटी : उत्तर लखिमपुर : गुवाहाटी) द्वि-साप्ताहिक जन शताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। इस समारोह के दौरान माननीय रेल मंत्री ने कहा कि इन सेवाओं से क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलने और असम तथा पड़ोसी क्षेत्रों में यात्रियों के लिए यात्रा विकल्पों में सुधार होने की उम्मीद है।

आकाशवाणी कोकराझार में एक नए एफएम ट्रांसमीटर का भी उद्घाटन किया गया। इससे धुबड़ी, बंगाईगांव और चिरांग जिलों सहित क्षेत्र के 30 लाख से अधिक निवासियों को लाभ होगा, जिससे उन्हें स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाले एफएम प्रसारण तक की सेवा का लाभ मिलेगा।

माननीय रेल मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 2009-14 की अवधि की तुलना में चालू वर्ष के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे अवसंरचनात्मक विकास कार्य के लिए बजटीय आवंटन में पांच गुना से अधिक वार्षिक वृद्धि की गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड-नं-3, पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित मो.नं. 9406245514, 9425237314 (न्याय क्षेत्र भोपाल) www.navpradeshbhopal@gmail.com